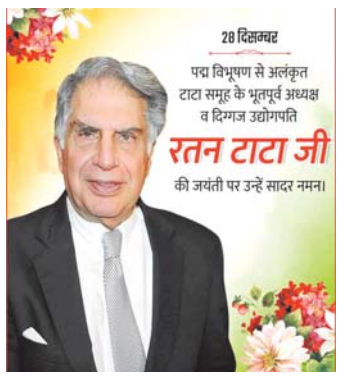

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 152/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 28 दिसंबर 2024 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

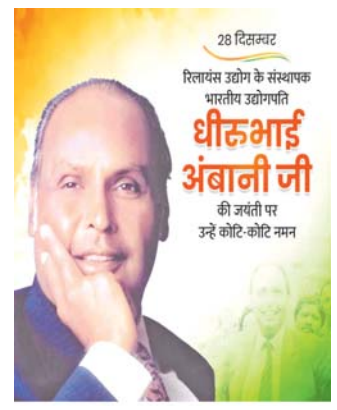

मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन

बेटी ने दी मुखाग्नि, तीनों सेनाओं ने सलामी दी, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री और सोनिया-राहुल भी पहुंचे

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का आज निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके पार्थिव शरीर को सेना की तोपगाड़ी पर दिल्ली के निगमबोध घाट लाया गया। यहां तीनों सेनाओं ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद राजकीय सम्मान के बाद अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गईं।

मनमोहन की पत्नी गुरशरण कौर, बड़ी बेटी उपिंदर सिंह (65), दूसरी बेटी दमन सिंह (61) और तीसरी बेटी अमृत सिंह (58) निगम घाट पर मौजूद थे। परिवार ने प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात की। बेटी ने मुखाग्नि दी। निगमबोध घाट में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के बड़े नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अंतिम संस्कार के दौरान भी मनमोहन सिंह को उनकी पसंदीदा नीली पगड़ी पगड़ी पहनाई गई। उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी को याद रखने के लिए उसके एक रंग को अपनी पगड़ी का सिग्नेचर कलर बना लिया था। डॉ. मनमोहन सिंह की पार्थिव देह को सुबह 9.30 बजे उनके आवास से कांग्रेस मुख्यालय लाया गया था। इसके बाद अंतिम यात्रा शुरू हुई। राहुल गांधी पार्थिव देह के साथ गाड़ी में बैठे थे। उन्होंने उनकी अर्थी को कंधा भी दिया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया था। वे 92 साल के थे। वे लंबे समय से बीमार थे।

खड़गे बोले- जहां मनमोहन का अंतिम संस्कार, वहीं स्मारक बने, केंद्र बोला- समय लगेगा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 27 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी को चिट्?ठी लिखकर डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार वहीं करने का निवेदन किया, जहां स्मारक बन सके। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक डॉ. सिंह की पत्नी गुरशरण कौर भी यही चाहती थीं। इस पर गृह मंत्रालय ने कहा, 'अंतिम संस्कार के लिए निगमबोध घाट चुना गया है। स्मारक दिल्ली में बनेगा। इसके लिए उचित जगह तलाशी जाएगी और ट्रस्ट बनेगा। प्रक्रिया में समय लगेगा।' गृह मंत्रालय के जवाब के बाद कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा- सरकार स्मारक बनाने के लिए जमीन तक नहीं तलाश पाई। ये देश के पहले सिख प्रधानमंत्री का अपमान है। प्रियंका गांधी ने डॉ. सिंह का स्मारक शक्ति स्थल (इंदिरा गांधी का स्मारक) या वीरभूमि (राजीव गांधी का स्मारक) के पास बनाने का सुझाव दिया। वहीं, भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि, कांग्रेस ने डॉ. सिंह को कभी सम्मान नहीं दिया। आज उनके निधन के बाद भी राजनीति कर रही है।

सांध्यप्रकाश विशेष

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत रायपुर पहुंचे, संघ के 100 साल पूरा होने पर अलग-अलग वर्ग से करेंगे चर्चा

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत शुक्रवार शाम पांच दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे के लिए रायपुर पहुंच चुके हैं। वे 27 से 31 दिसंबर तक संगठन विस्तार को लेकर महत्वूर्ण बैठक लेंगें और आरएसएस का शताब्दी वर्ष पूरा होने पर कार्यक्रमों की जानकारी लेंगे। इस दौरान वे टोली बैठक और सायं-प्रातः शाखा में शामिल होंगे। इसके बाद डॉ. मोहन भागवत 1 जनवरी को दोपहर रायपुर से दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

संघ के सौ साल- बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अगले साल सौ साल पूरे हो रहे हैं। इस शताब्दी वर्ष में आरएसएस देशभर में कार्यक्रम करेगा। किस तरह के कार्यक्रम होने हैं, इसको लेकर लगातार सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का राज्यों का दौरा चल रहा है। इसी कड़ी में उनका 27 से 31 दिसंबर तक रायपुर प्रवास होगा।

इस दौरान वे अलग-अलग सत्र में कार्यकर्ताओं व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संगठन को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। शताब्दी वर्ष में आरएसएस का बड़ा फोकस पंच परिवर्तन पर है। इसके बारे में जानकारी देकर बताया जाएगा, क्या-क्या करना है।

स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा आरएसएस- 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस वर्ष अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है। इसके लिए देश के अलग-अलग प्रांतों में सरसंघचालक मोहन भागवत का प्रवास हो रहा है। इस प्रवास में संबंधित प्रांत में संगठनात्मक कार्यों पर वह चर्चा करते हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संगठनात्मक विषयों व शताब्दी वर्ष पर चलने वाले कार्यक्रमों पर वह संगठन के अधिकारियों व कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

यमन के सना एयरपोर्ट पर डब्लूएचओ इजरायली बमबारी में के चीफ बाल-बाल बचे!

विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर-जनरल टेड्रोस एडनॉम गुरुवार को यमन के सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इजरायल की एयरस्ट्राइक में बाल-बाल बच गए। इस हमले में 2 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। डॉ टेड्रोस अपने संयुक्त राष्ट्र और WHO सहयोगियों के साथ एक फ्लाइट में सवार होने वाले थे। इसी समय हमला हो गया। इस दौरान फ्लाइट क्रू मेंबर्स चालक का एक सदस्य घायल हो गया।

एक्स पर एक पोस्ट में प्रमुख घेब्रेयसस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों की रिहाई के लिए बातचीत करने और यमन में स्वास्थ्य और मानवीय स्थिति का आकलन करने का हमारा मिशन समाप्त हो गया। हम बंदियों की तत्काल रिहाई के लिए आह्वान करते रहेंगे। लगभग दो घंटे पहले जब हम सना से अपनी उड़ान भरने वाले थे, तो हवाई अड्डे पर हवाई बमबारी हुई। हमारे विमान के चालक दल के सदस्यों में से एक घायल हो गया।

उन्होंने आगे लिखा कि हवाई अड्डे पर 2 लोगों के मारे जाने की खबर है। एयर ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर, प्रस्थान लाउंज ङ्क जहाँ हम थे, वहाँ से कुछ मीटर की दूरी पर और रनवे क्षतिग्रस्त हो गया। हमें रवाना होने से पहले हवाई अड्डे को हुए नुकसान की मरम्मत होने तक इंतजार करना होगा। मेरे ह और ङ्ख॥ह के सहकर्मी और मैं सुरक्षित हैं। उन परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएँ जिनके प्रियजनों ने हमले में अपनी जान गंवाई।

हमले की एंटोनियो गुटेरेस ने की निंदा- संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हमले की निंदा की और अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान करने का आह्वान किया तथा इस बात पर बल दिया कि नागरिकों और मानवीय कार्यकर्ताओं को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष ने शर्ट उतारकर खुद को क्यों मारे कोड़े, चप्पल नहीं पहनने की खाई कसम, पूरे राज्य में आक्रोश

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई द्वारा अपने घर के बाहर स्वयं को छह कोड़े मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह विरोध प्रदर्शन अन्ना यूनिवर्सिटी की एक छात्रा के यौन उत्पीड़न और तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार के खिलाफ उनके असंतोष को व्यक्त करने के लिए किया गया।

कोड़े मारकर जताया विरोध- अन्नामलाई ने कहा कि उनका यह कदम तमिल संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ÷तमिल संस्कृति में आत्म-ध्वजारोपण और आत्म-दंड जैसी प्रथाएं लंबे समय से अन्याय के खिलाफ खड़े होने का प्रतीक रही हैं। मेरा यह प्रदर्शन किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि राज्य में बढ़ते अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ है।

भ्रष्टाचार और अन्याय पर निशाना- अन्नामलाई ने डीएमके सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ा है, जिससे आम जनता, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों, पर अत्याचार हो रहा है।

चप्पल न पहनने की शपथ- अन्नामलाई ने यह ऐलान किया कि जब तक डीएमके सरकार सत्ता से बाहर नहीं होगी, वह चप्पल नहीं पहनेंगे और नंगे पैर चलेंगे।

ओडिशा के सीएस मनोज आहूजा को एक साल का सेवा विस्तार मिला

भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1990 बैच के आईएएस अधिकारी ओडिशा के मुख्य सचिव मनोज आहूजा को 1 साल का सेवा विस्तार मिला है। बता दे कि इस संबंध में मीडियावाला ने कुछ दिन पहले अपनी रिपोर्ट में कहा था कि आहूजा को एक्सटेंशन मिलेगा और अब इसकी पुष्टि हो गई है। आहूजा को राज्य के मुख्य सचिव के रूप में एक साल का विस्तार देने के लिए ओडिशा सरकार ने केंद्र सरकार से मंजूरी मांगी थी, जिसे अब आधिकारिक तौर पर दे दी गई है। आहूजा का कार्यकाल, जो पहले 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त होने वाला था, अब 31 दिसंबर, 2025 तक जारी रहेगा। बता दें कि 12 जून को भाजपा सरकार के सत्ता में वापस आने के बाद आहूजा ने 1 जुलाई को मुख्य सचिव का पद संभाला। मोहन माझी सरकार के अनुरोध पर उन्हें ओडिशा वापस भेजा गया। अपनी वापसी से पहले आहूजा केंद्र में कृषि एवं किसान कल्याण सचिव के रूप में कार्यरत थे।

मोदी 29 दिसंबर को दिल्ली चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे

देश के पहले सेमी हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर के तीसरे फेज का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 दिसंबर को दिल्ली चुनाव के लिए भाजपा के चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। इस हफ्ते वे दो रैलियों में हिस्सा लेंगे। दूसरी रैली 3 जनवरी को होगी। पीएम मोदी 29 दिसंबर को रिठाला में एक नई मेट्रो लाइन की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही वे देश के पहले सेमी हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर के तीसरे फेज का भी उद्घाटन करेंगे। इस प्रोजेक्ट को दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल प्रोजेक्ट भी कहते हैं। इसके बाद पीएम मोदी रोहिणी के जापानी पार्क में जनसभा को संबोधित करेंगे। पार्टी की दिल्ली इकाई ने इसके लिए मंडल अध्यक्षों से कम से कम 2 बस भरकर लोगों को लाने के लिए कहा है। वहीं, 3 जनवरी के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उत्तर-पूर्वी दिल्ली में कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करन वाले हैं। इसमें दिल्ली से सहारनपुर के लिए नया हाईवे भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री दिल्ली की महिलाओं के लिए कुछ अहम घोषणाएं कर सकते हैं।

नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे

मोदी 29 दिसंबर को दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल के तीसरे चरण का उद्घाटन करेंगे। वे गाजियाबाद के साहिबाबाद से आनंद विहार स्टेशन के लिए नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। पहले चरण में साहिबाबाद से दुहाई और दूसरे चरण में मेरठ साउथ तक नमो भारत ट्रेन चल रही है। दिल्ली से मेरठ तक रैपिड रेल के प्रोजेक्ट के जून, 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। अभी एक्सप्रेस ट्रेन से दिल्ली और मेरठ के बीच के सफर में करीब डेढ़ का समय लगता है। वहीं, रैपिड ट्रेन की स्पीड करीब 180 किमी प्रति घंटा होती है। जिससे इस प्रोजेक्ट के पूरे होने पर यह सफर करीब 55 मिनट में पूरा हो सकेगा। इस 82 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर की अनुमानित लागत 30,274 करोड़ रुपए है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश में उर्वरक वितरण की समीक्षा की। समत्व भवन में हुई बैठक में मंत्री विश्वास सारंग अपर मुख्य सचिव राजेश राजोरा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कुशाभाऊ ठाकरे की पुण्यतिथि पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर प्रदेश भाजपा महामंत्री हितानंद, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विधायक सुरेन्द्र पटवा के निवास पर पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे नमन किया।

बर्फबारी से श्रीनगर-लेह हाईवे बंद

मप्र में बारिश, भोपाल में ओले गिरे

नई दिल्ली/ भोपाल। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और तनमार्ग में बर्फबारी के कारण फंसे 68 टूरिस्ट को शुक्रवार देर रात सेना ने रेस्क्यू किया। आर्मी ने बताया कि अचानक हुई भारी बर्फबारी और सड़कों के बंद होने के कारण 30 महिलाओं और 8 बच्चों समेत 68 लोग घाटी पर फंस गए थे। उन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। मध्यप्रदेश में कल से बारिश का दौर चल रहा है। राजधानी भोपाल में रात को तेज बारिश हुई और ओले भी गिरे। बारिश आज भी जारी है। बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह हाईवे और मुगल रोड को बंद हो गया। श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर 2,000 वाहन फंस गए। भारी बर्फबारी के कारण शनिवार सुबह श्रीनगर एयरपोर्ट पर 80 प्रतिशत उड़ानें रद्द कर दी गईं।

विज्ञान मेले का शुभारंभ, पहले दिन रहा विज्ञान एवं नवाचार पर जोर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विज्ञान और समाज के बीच सेतु निर्माण आवश्यक है। विज्ञान को व्यवहारिक जीवन के साथ सामंजस्य स्थापित कर कैसे आगे बढ़ सकते है, इस बात को सभी वैज्ञानिक एवं अकादमिक संस्थानों को समझना चाहिए। विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह संगठन सचिव श्री प्रवीण रामदास 11 वें भोपाल विज्ञान मेला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और अन्य महान वैज्ञानिकों के योगदान को हमेशा याद रखते हुए देश हित में विज्ञान से विकास के बारे में कार्य करना चाहिए। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 11वें भोपाल विज्ञान मेले का शुभारंभ शुक्रवार को जंबूरी मैदान में किया गया। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने %विज्ञान की बात, जन-जन के साथ% की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि विज्ञान को मातृभाषा में समझाना आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। विज्ञान भारती मध्य भारत के अध्यक्ष डॉ. अमोध गुप्ता ने %स्वदेशी विज्ञान आंदोलन% पर प्रकाश डालते हुए स्वदेशी विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुधीर भदौरिया, विज्ञान भारती ने विज्ञान मेले को %एक उत्सव% की संज्ञा देते हुए कहा कि विज्ञान को समाज में एक सशक्त माध्यम के रूप में अपनाना चाहिए। भोपाल विज्ञान मेले का पहला दिन नवाचार और स्वदेशी विज्ञान के संगम पर आधारित रहा। विद्यालयीन और महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर अपने वैज्ञानिक मॉडल का प्रेजेंटेशन दिया। मेले में 150 से अधिक वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं। इस अवसर पर विज्ञान प्रतिभा पुरस्कार से सम्बंधित सत्र आयोजित किया गया जो कि विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए था। इसमें एम्प्री के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एन. सतीश ने छात्रों के रोचक प्रश्नों के उत्तर दिए। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना पर भी एक व्याख्यान सत्र हुआ। इसमें विज्ञान के क्षेत्र में युवाओं के लिए कैरियर निर्माण के बारे में भी बात की गयी। 18 से 29 वर्ष के मध्यप्रदेश के युवाओं को विज्ञान एवं कौशल-आधारित प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। 12वीं या आईटीआई उत्तीर्ण युवा 46 क्षेत्रों और 1,134 पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रबंधन, मीडिया, विधिक सेवाएं, पर्यटन और वित्त जैसे क्षेत्र शामिल हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत %वंदे मातरम% के साथ किया गया।

विज्ञान मेले के दूसरे दिन 28 दिसंबर को विज्ञान के छात्रों के लिए विद्यार्थी विज्ञान संवाद, विज्ञान शिक्षक कार्यशाला, अगरिया जनजाति द्वारा लोहा बनाने की भट्टी का प्रदर्शन, बेल मेटल निर्माण का प्रदर्शन भी किया जायेगा। विद्यार्थियों की मॉडल प्रदर्शनी, कारीगर विज्ञान के प्रदर्शन, क्रिएटिव लर्निंग सेंटर, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी पेवेलियन, हस्तशिल्प पेवेलियन, औषधीय पौधों का पेवेलियन, कृषि-प्रौद्योगिकी पेवेलियन, प्रमुख वैज्ञानिकों की जीवनी पर पेवेलियन, विभिन्न सरकारी योजनाओं पर पेवेलियन आदि भी होंगे। विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तर के संगठन/संस्थाएँ जैसे डीएई, इसरो, डीआरडीओ, ब्रह्मोस, एनटीपीसी, एनएचडीसी, सीआईएल, सीएसआईआर प्रयोगशालाएँ और कृषि परिषदें अपने सफलतापूर्वक किए गए कार्यों और नवाचारों को प्रदर्शित किया जायेगा।

जैविक किसान अभय सिंह सोलंकी रच रहे है, भारत का पुराना इतिहास

भोपाल। पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने बताया कि भोपाल झागरिया सीहोर रोड पर भोपाल से 36 किलोमीटर दूर सालीखेड़ा गांव जिला सीहोर में अभय सिंह सोलंकी दे रहे कैंसर मुक्त जीवन जीने की आशा क्योंकि रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक खेती से आज कैंसर मरीजों की संख्या निरंतर तेजी से बढ़ रही है,मात्र 33 वर्षीय किसान अभय ने अभी विगत दो वर्षो से जैविक खेती प्रारंभ की ओर आप बताते है कि इस खेती से उनके उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई और भूमि की गुणवता में सुधार हुआ है ,यूरिया और पेस्टिसाइड का खर्चा समाप्त हो गया,अभय सोलंकी ने अपने खेत में एडवांस जीवामृत, पीजीआर,सोया टॉनिक, नीम आस्त्र, पांच पत्ती काढ़ा का प्लांट भी लगाया हुआ है, वह आसपास के किसानो को इसका विक्रय कर भी लाभ प्राप्त कर रहे है और इन सबसे खेती में होने वाले फायदे भी बता रहे हैं, कई अधिकारी वर्ग जिनको जैविक खेती की जानकारी मिलती है, हमारे यहां आकर घर से जैविक अनाज प्राप्त करते है और सीहोर कलेक्टर भी जैविक खेती देखने यहां आ चुके है,अभय सिंह सोलंकी से 84620 07326 इस नंबर पर सम्पर्क कर अन्य महत्वपूर्ण जानकारी व अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

हस्तशिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल। टैगोर जरी क्राफ्ट कल्चर प्रोडूसर कंपनी लिमिटेड आकांक्षी जिला विदिषा द्वारा एंव कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तषिल्प) वस्त्र मंत्रालय नई दिल्ली के सहयोग से लगाई जा रही 10 दिवसीय ''हस्तषिल्प प्रदर्षनी 2024'' का शुभारम्भ दिन शुक्रवार दिनांक 27.12.2024 को शहर में स्थित अग्रवाल धर्मषाला ट्रस्ट, माधवगंज विदिषा में किया गया। प्रदर्षनी में स्व-सहायता समूहों एंव टैगोर जरी क्राफ्ट कल्चर प्रोडूसर कंपनी लिमिटेड की महिलाओं द्वारा उत्पादित वस्तुए जैसे बैग, जरी वर्क पर्स, एम्ब्रायडरी सूट, बीड्स क्राफ्ट, हैण्ड ब्लॉक प्रिंटिग, लेदर, चंदेरी एंव महेष्वरी साडी इत्यादि प्रदर्षिनी एंव बिक्री हेतु उपलब्ध रहेगी। कंपनी की डायरेक्टर कु. फाल्गुनी चैहान ने बताया कि इस मेले में भाग लेने के लिए 20 षिल्पी बैग, जरी वर्क पर्स, एम्ब्रायडरी सूट, बीड्स क्राफ्ट, हैण्ड ब्लॉक प्रिंटिग, लेदर, चंदेरी एंव महेष्वरी साडी इत्यादि लेकर आये हैं। हस्तषिल्प प्रदर्षनी 5.01.2025 तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक इसका अवलोकन एवं प्रदर्षित वस्तुओं को विक्रय किया जायेगा। प्रदर्षनी के प्रायोजक कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तषिल्प) वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली एवं आयोजक टैगोर जरी क्राफ्ट कल्चर प्रोडूसर कंपनी लिमिटेड जिला विदिषा हैं।

ताशकंद में एकत्रित होंगे सैकड़ों सिंधी भारतीय डेलीगेट, फ्लाइट बुक

संत हिरदाराम नगर। भारत देश में सिंधी समाज की सबसे सक्रिय संस्था अखिल भारतीय सिंधी समाज का 28वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन विश्व प्रसिद्ध ताशकंद में 24 फ़रवरी से 27 फ़रवरी को होने जा रहा है, जिसके लिए संस्था ने 23 फरवरी रात्रि 10:25 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से ताशकंद के लिए उड़ान भरने वाली इण्डिगो एयरलाइन की फ्लाइट बुक कर दी है। 23 फरवरी रात से 28 फरवरी सुबह तक कुल 4 दिनों एवं 6 रातों के सम्मेलन में कई रंगारंग कार्यक्रम एवं ताशकंद भ्रमण होगा। कार्यक्रम के आयोजक त्रिलोक दीपानी ने बताया कि जल्दी आओ जल्दी पाओ वाली व्यवस्था रहेगी साथ ही आपके पासपोर्ट की वैद्यता में 6 माह होना जरूरी रहेगा। अखिल भारतीय सिंधी समाज के राष्ट्रीय महासचिव आनंद सबधाणी ने बताया कि मात्र 59,990 रूपए प्रति व्यक्ति के खर्च में दिल्ली तशकंद दिल्ली रिटर्न टिकट, 4 स्टार होटल उज्जबेकिस्तान में रहना, एण्ट्री वीज़ा, ख़ाना पीना, डिस्क, गाला डिनर, एयरपोर्ट पिकअप एंड ड्राप, गाइड, साइट सीन, लोकल कनवैन्स एवं अन्य सभी एण्ट्री टिकट की व्यवस्था संस्था द्वारा की जायेंगी।

स्थाई कर्मियों ने वन विभाग की वर्दी का किया विरोध, सौंपा ज्ञापन

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने वन विभाग द्वारा प्रदान की गई निम्न गुणवत्ता और बदरंग वर्दी का विरोध करते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक (क्तष्टस्न) असीम श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। इस विरोध प्रदर्शन में स्थाई कर्मियों ने वर्दी के रंग और गुणवत्ता पर सवाल उठाए और खाकी रंग की वर्दी की मांग की। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे, चांद सिंह, उधम सिंह, आहिवरन सिंह, भूपेंद्र पांडे, और श्यामलाल विश्वकर्मा शामिल थे। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वन विभाग के 5,000 स्थाई कर्मियों को जो वर्दी प्रदान की गई है, वह बेहद निम्न गुणवत्ता की है। यह न केवल बदरंग है, बल्कि सुरक्षा मानकों के अनुरूप भी नहीं है। कर्मियों ने इस वर्दी को अस्वीकार कर दिया है और खाकी रंग की वर्दी की मांग की है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक असीम श्रीवास्तव ने ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर कर्मियों की मांगों पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी अन्य उपयुक्त रंग और गुणवत्ता की वर्दी प्रदान करने का निर्णय लिया जाएगा। स्थाई कर्मियों ने वर्दी के मुद्दे के साथ-साथ सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने की अपील की है।

बस संचालकों ने परिवहन मंत्री से बैठक बुलाने की मांग की

भोपाल। मध्य प्रदेश ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन (इंटक) के प्रदेश महासचिव प्रवेश मिश्रा ने राज्य के परिवहन मंत्री से बस संचालकों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विभाग की स्थिति सुधारने और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप समस्याओं का शीघ्र निराकरण जरूरी है।

प्रवेश मिश्रा ने बताया कि पिछली बार भाजपा सरकार में परिवहन मंत्री हिम्मत कोठारी ने बस मालिकों की समस्याओं पर ध्यान दिया था, लेकिन उसके बाद किसी भी परिवहन मंत्री ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। आज परिवहन विभाग में अधिकारियों की तानाशाही और भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने कहा कि विभाग में सुधार तभी संभव है जब मंत्रीगण ग्राउंड रिपोर्ट लेंगे और आम जनता की समस्याओं को समझेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री से भी अपील की कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनता की आवाज को सुना जाए और ठोस कदम उठाए जाएं।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने गोद ग्राम मुगालिया हाट में आयोजित किया विशेष कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व के अंतर्गत संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद ग्राम मुगालिया हाट में विभिन्न जागरूकता और सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य, और सामाजिक कल्याण के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम सरपंच धर्मेंद्र मारन के प्रेरक सुझावों के साथ हुआ। एन.एस.एस. की स्वयंसेविकाओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर स्वच्छ भारत अभियान के महत्व को रेखांकित किया और ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने तथा शासकीय अभियानों को सफल बनाने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान स्वयंसेविकाओं ने निक्षय योजना, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम, और आयुष्मान योजना जैसे विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। संस्था के चेयरमैन सिद्ध भाऊ की ओर से ग्रामीणों को डॉग फूड, गुणकारी मंजन, और धार्मिक पुस्तकें भेंट की गईं। इसके अलावा, महाविद्यालय में एकत्रित दान किए गए वस्त्रों को जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच वितरित किया गया।

अपनों के साथ गोल्डन नाईट पार्टी में करे नए साल का स्वागत

भोपाल। राजधानी भोपाल में नये साल के जश्न की तैयारियाँ शुरू हो चुकी है। हर कोई नये साल के जश्न की पार्टी के लिए नई नई डेस्टिनेशने ढूँढने की तैयारियों में भी जुटा हुआ है, हर किसी को नए साल का इंतज़ार है, जो खुशियों की नई सौग़ात लेकर आयेगा, हर किसी के मन में उमंग और उत्साह है। ऐसे में साल 2024 को विदाई देने और नये साल 2025 के स्वागत के जश्न के लिए लालघाटी, हलालपुर बस स्टैंड स्थित प्लेहोटल इन आरिया पूरी तरह से तैयार है, जहां भोपाल के पार्टी लवर्स अपनों के साथ इस दिन को रॉकिंग और मेमोरेबल बना सकते है।

प्लेहोटल इन आरिया में यूथ, फैमिली, कपल्स, फ्रेंड्स एवं बच्चों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित एवं सिक्योर है। प्लेहोटल इन आरिया गोल्डन नाईट पर्त्य के होस्ट रवि आनंद ने बताया कि यह होटल अपनी आधुनिक सुविधाओं, बेस्ट सर्विस और जायकेदार स्वाद के कारण कॉर्पोरेट वर्ग से लेकर बिज़नेस क्लास के लोगों की पसंदीदा होटल में से एक है। 31 दिसंबर की रात 8 बजे प्लेहोटल इन आरिया के सुनहरे प्लेहाल में गोल्डन नाइट के नाम से न्यू ईयर पार्टी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गेस्ट डी.जे, डांस, म्यूजिक, गेम्स, फन एक्टिविटीज़, सरप्राइज़ गिफ़्टस, फूड, ड्रिंक्स, मोक्टेल्स के साथ साथ स?वादिष?ट भोजन का भी लुफ्त उठा सकेंगे, इस बेहद खूबसूरत शाम की बुकिंग शुरू कर दी है। साथ ही फैमली के लिए टेबल एवं साथ में रूम बुक करने पर भी विशेष आफर्स भी उपलब्ध रहेंगे।

थिंक गैस ने पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद तुरंत गैस आपूर्ति बहाल की

भोपाल। भोपाल के राधापुरम के एच. नंबर 167 के बाहर लाइन क्षतिग्रस्त होने की घटना हुई, जिसके कारण एमडीपीई गैसीफाइड पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। यह क्षति उस समय हुई जब मालिक अपनी बाउंड्री वॉल के लिए पाइलिंग कर रहा था। क्षति की सूचना मिलने पर, थिंक गैस की टीम और आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन तुरंत मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त लाइन को ठीक किया तथा आपूर्ति फिर से शुरू की। इस तरह की क्षति से न केवल ग्राहकों को गैस की आपूर्ति बाधित होती है, बल्कि जान-माल को भी खतरा होता है। गैसीफाइड पाइपलाइन के पास खुदाई से सख्ती से बचना चाहिए। किसी भी तरह की खुदाई की सूचना थिंक गैस को दी जानी चाहिए। गैस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचाने का कार्य स्पष्ट रूप से पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन अधिनियम, 1962 की धारा 15(1) और (2) के साथ-साथ आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। ये उल्लंघन संज्ञेय अपराध हैं और इनके लिए 25 करोड़ रुपये तक का जुर्माना और तीन वर्ष तक की कैद का प्रावधान है।

देविका होटल एंड रिसॉर्ट्स में न्यू ईयर इव पर धमाल

भोपाल। नए साल का स्वागत हर कोई उत्साह के साथ करता है,लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी रिश्तेदारों के साथ मिलाकर न्यू ईयर का जश्न मनाना पसंद करते हैं,आप भी नए साल का जश्न मनाने के लिए बेस्ट प्लेस की तलाश कर रहे हैं तो भोपाल में आपके पास लग्जरी होटल से लेकर लग्जरी पार्टी का ऑप्शन है ,देविका होटल एंड रिसॉर्ट्स , नियर लीला अतुल्यम, सलैया, भोपाल . देविका होटल एंड रिसॉर्ट्स में न्यू ईयर इव पर धमाल होने वाला है, यहां होने वाली न्यू ईयर इव की पार्टी में ट्रेडिशनल फूड, ड्रिंक, पार्टी का मजा म्यूजिक और डांस के बिना अधूरा है, इसलिए यहां मिलेगा लाइव संगीत बैंड, पुरस्कार,डीजे वार, किड्स ज़ोन, फन एक्टिविटी और गेम्स का आनंद उठा सकता हैं

जम्मू कश्मीर से आए कलाकारों ने पहाड़ी और गुजरी लोकनृत्यों की दी प्रस्तुति

भोपाल। राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेला मंच पर शुक्रवार को जम्मू एंड कश्मीर से आए कलाकारों ने लोक नृत्यों की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने कश्मीरी पंडित लोकनृत्य, डोगरी लोकनृत्य, रुफ लोकनृत्य, पहाड़ी लोकनृत्य और गुजरी लोकनृत्य सहित अन्य प्रस्तुतियों से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मुख्य अतिथि संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी और विशिष्ठ अतिथि सुधा मलैया ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास विरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। शुक्रवार को एक लाख से ज्यादा लोग परिवार के साथ मेला देखने पहुंचे। 15 नवंबर से चल रहे भोजपाल महोत्सव मेले में अब तक 22 लाख से ज्यादा लोग शिरकत कर चुके हैं। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि यह शहरवासियों को प्यार और आशीर्वाद है, जो भरपूर मिल रहा है। मेला दो दिन शेष बचा है। रविवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ मेले का समापन किया जाएगा। मेले में चल रहा द ग्रेट जैमिनी सर्कस देखने बड़ी संख्या में परिवार के साथ शहरवासी पहुंच रहे हैं। 29 दिसम्बर तक चलने वाले मेले में द ग्रेट जैमिनी सर्कस के अंतिम दो दिन में चलने वाला 6 शो बचा है। भोजपाल महोत्सव मेले में भेल जनसेवा समिति के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, सुनील साह, महेंद्र नामदेव, ज़ाहिद खान, दीपक बैरागी, देवेंद्र चौकसे, शैलेंद्र सिंह जाट, चन्दन वर्मा, विनय सिंह, अखिलेश नागर, केश कुमार शाह, आफताब सिद्दिकी, मधु भवनानी, दीपक शर्मा, गोपाल शर्मा, सुनील वैष्णव, वाहिद खान, गौरव जैन, सुभाष दरवई, आदि शामिल हैं।

ऐसएचआईएम सन्देश न्यूज़लैटर का अनावरण

संत हिरदाराम नगर। ऐस.एच.आई.ऐम. सन्देश के माध्यम से संस्थान की गतिविधियों को विधिवत प्रस्तुत करने का यह अभिनव प्रयास सराहनीय है। ये उदगार थे श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के, जिन्होंने संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्रथम मुखपत्र (न्यूज़लैटर) का अनावरण किया। कार्यक्रम का आयोजन जीव सेवा संस्थान के सचिव श्री महेश दयारमानी जी, संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हीरो ज्ञानचंदानी जी, ग्रुप एडवाइजर श्री पी. ऐस. राठौर जी एवं डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण एवं संपादक समिति की छात्राएं भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर डॉ. आशीष ठाकुर ने बताया कि ऐस.एच.आई.ऐम. सन्देश एक ऐसा संकलन है, जिसके माध्यम से परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी की विचारधारा को एवं श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी की वीमेन एम्पावरमेंट की अवधारणा को मूर्त रूप दिया गया है। विदित है कि प्रत्येक तिमाही में संस्थान की प्रगति एवं छात्राओं के योगदान को इस न्यूज़ लेटर में मुद्रण किया जाएगा। संस्थान की प्रगति यात्रा एवं उपलब्धियों को संवाद रुपी धागे में पिरोने की आवश्यकता इस मुखपत्र ने पूर्ण की है। संस्थान की उपलब्धियों के साथ-साथ क्लब गतिविधियों को एवं गेस्ट के विचारों को भी संकलित किया गया है। छात्राओं की विभिन्न रचनाएं एवं कलाकृतियां दर्शाई गयी हैं एवं संस्थान के विभिन्न विभागों की सफलताओं के बारे में भी वर्णन किया गया है। इस अनावरण कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने सम्पादक डॉ. जितेंद्र कुमार शर्मा एवं प्रो. प्रांशु अग्रवाल के प्रयासों को सराहा एवं संस्था को बधाई दी।

धान उपार्जन की समीक्षा कर दिए निर्देश

खुले में पड़े धान को तत्काल करें सुरक्षित, किसानों को समय पर कराएं भुगतान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिन किसानों का धान उपार्जित कर लिया गया है, उन्हें कम से कम समय में भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं। प्रक्रिया को सरल कर तीन से चार दिनों में उपार्जन राशि का भुगतान कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि मौसम को देखते हुए खुले में पड़े धान का जल्द से जल्द परिवहन कराएं और इसे बारिश से बचाएं। उन्होंने कहा कि गोडाऊन परिसर में भी यदि उपार्जित धान खुले में रखा है तो उसे जल्द से जल्द अंदर रखवा लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को (मुख्यमंत्री निवास) समत्व भवन स्थित में धान उर्पाजन की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव एवं कृ?षि उत्पादन आयुक्त श्री मोहम्मद सुलेमान, अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन सहकारी समितियों में धान खुले आसमान के नीचे रखा है, खराब मौसम की आशंका को देखते हुए उपार्जित धान को बारिश से बचाने के लिए समितियां तत्काल तिरपाल आदि से खुले में पड़े धान को ढंक लें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे किसानों से यह आग्रह करें कि मौसम को देखते हुए वे कुछ दिन रूककर या मौसम साफ होने पर ही अपना धान उपार्जन के लिए लेकर आएं। मौसम यदि ज्यादा दिन तक खराब रहता है तो सरकार धान उपार्जन की तय अवधि बढ़ाने पर भी विचार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से कहा कि वे धान मिलर्स को निर्देशित करें कि वे भी अपने धान का जल्द से जल्द उठाव करा लें। उन्होंने नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों से कहा कि वे उपार्जित धान का तत्काल परिवहन कराकर इन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं और आवश्यकतानुसार प्रबन्ध करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उपार्जन प्रक्रिया को सरल बनाया जाएं, ताकि तय समय-सीमा तक अधिकतम किसानों का धान उपार्जन हो सके। किसानों से जो धान उपार्जित किया जा रहा है, उन्हें अधिकाधिक मात्रा में धान मिलर्स को ही देने का प्रयास करें, इससे धान मिलिंग की प्रक्रिया पर लगने वाला समय, धन और श्रम बचेगा।

धान परिवहन हेतु अनुबंधित परिवहनकर्ताओं के माध्यम से अधिक से अधिक वाहन लगाए जाए एवं आवश्यक हो तो अन्य परिवहनकर्ता/वाहनों को अधिग्रहण कर धान का परिवहन कराया जाए। गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्र पर खुले में भण्डारित धान को सहकारी समितियों के माध्यम से गोदाम में धान की स्टेकिंग कराई जाए। समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले किसानों के शीघ्र भुगतान हेतु स्वीकृति पत्रक शीघ्रता से जारी कराए जाए। भारत सरकार द्वारा एफएक्यू मापदण्ड अनुसार धान का उपार्जन किया जाए जिसकी मॉनिटरिंग हेतु अन्य विभाग के अमले को भी लगाया जाए।

प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति द्वारा बताया गया कि इस वर्ष 7.72 लाख किसानों ने धान उपार्जन के लिए पंजीयन कराया है, जो गत वर्ष 2023-24 (7.27 लाख) की तुलना में अधिक है। इस वर्ष प्रदेश में 1393 धान उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं, जिसमें अब तक 22.86 लाख मीट्रिक धान का उपार्जन हो चुका है। अब तक 3.48 लाख किसान अपना धान बेच चुके हैं। जिन किसानों से उपार्जन हो चुका है, उन्हें न्यूनतम समय में भुगतान की व्यवस्था की जा रही है। 26 दिसम्बर तक 45 लाख मीट्रिक टन धान कॉमन (ग्रेड ए श्रेणी का) उपार्जित किया जा चुका है। जिन किसानों से धान उपार्जन किया गया है, उन्हें उपार्जन मूल्य के रूप में 1,961 करोड़ रूपए का भुगतान किए जा चुके हैं। प्रदेश में बारदाने की कोई कमी नहीं है। उपार्जित धान का परिवहन और भंडारण भी समुचित तरीके से किया जा रहा है। प्रदेश में कुल 674 अनुबंधित मिलर्स हैं। इनके द्वारा अब तक 3.36 लाख मीट्रिक टन उपार्जित धान का उठाव कर लिया गया है।

किसानों को एसएमएस में माध्यम से सूचित किया जा रहा है कि आगामी30, 31 दिसम्बर और एक जनवरी को धान की खरीदी स्थगित रहेगी। धान खरीदी की अंतिम तिथि 20 जनवरी से बढ़ाकर 23 जनवरी कर दी गयी है। जिन किसानों के स्लॉट धान विक्रय के लिए बुक थे, उसकी अवधि 5 दिन बढ़ा दी गयी है। उन्हें पुन: स्लॉट बुक करने की जरूरत नहीं है।

किसानों को दलहन और तिलहन उत्पादन के लिए भी करें प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सोयाबीन फसल उत्पादन में बीते वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार सोयाबीन का उपार्जन जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि सोयाबीन के अलावा किसानों को दलहन और तिलहन फसलों के उत्पादन के लिए भी प्रोत्साहित किया जायेगा। इसके लिए किसानों के साथ चर्चा कर योजना बनाई जाएगी। उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में अधिक लाभ है, इसलिए किसानों को उद्यानिकी फसलों की ओर प्रवृत्त किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास में सोयाबीन उपार्जन की समीक्षा बैठक में यह बात कही। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव एवं कृ?षि उत्पादन आयुक्त श्री मोहम्मद सुलेमान, अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी, सचिव किसान-कल्याण तथा कृषि विकास श्री एम. सेलवेन्द्रन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी सोयाबीन उत्पादक किसानों से उपार्जन कर उन्हें जल्द से जल्द भुगतान भी सुनिश्चित किया जाए। उपार्जन में किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या बारदाने की समस्या न आने पाए। उपार्जित सोयाबीन का उठाव और भंडारण विधिवत तरीके से हो और उपज को ओला-पाला एवं बारिश से बचाया जाये।

बैठक में सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी दी कि प्रदेश में सोयाबीन उपार्जन 25 अक्टूबर से किया जा रहा है, जो 31 दिसम्बर तक चलेगा। गत 26 दिसम्बर तक 2 लाख 4 हजार किसान अपना सोयाबीन बेच चुके हैं। इन किसानों से 5 लाख 89 हजार मीट्रिक टन सोयाबीन उपार्जित किया गया है। आगामी 31 दिसम्बर तक करीब साढ़े 6 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन उपार्जन का अनुमान है। प्रदेश में भोपाल संभाग में सर्वाधिक 180198.04 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन उपार्जित किया गया है। उज्जैन संभाग में 149974.54 लाख मीट्रिक टन, सागर संभाग में 93495.33 लाख मीट्रिक टन एवं नर्मदापुरम संभाग में 93287.44 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन उपार्जित किया गया है। सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4 हजार 892 रूपए प्रति क्विंटल है। किसानों को 1957.1 करोड़ रूपए उपार्जन राशि का भुगतान अब तक किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने देर रात रैन बसेरों में पहुंचकर जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

कलेक्टर को सभी रैन बसेरों में राम-रोटी प्रारंभ करने के दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार रात भोपाल के रैन बसेरों का निरीक्षण किया। उन्होंने रैन बसेरों में राहगीरों, गरीबों, निराश्रितों से चर्चा की, उनके हालचाल जाने और सभी को कंबल वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क स्थित रैन बसेरा पहुंचे। उन्होंने रैन बसेरे में मौजूद कुरवाई के करोड़ीलाल प्रजापति, हशीब खान, संजु कुशवाहा, रवि शर्मा और पथरिया दमोह के दिव्यांग प्रताप मालवीय से चर्चा कर उनके हालचाल जाने और रैन बसेरे की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। राहगीरों ने बताया कि यहां की सभी व्यवस्थाएं ठीक हैं। भोजन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री ने कलेक्टर भोपाल को निर्देशित किया कि सभी रैन बसेरों में राम-रोटी की व्यवस्था करें। दिव्यांग प्रताप मालवीय ने बताया कि वह हर एक-दो दिन में आ जाते हैं, उनकी चार बेटियां हैं, गुजारे की कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए वे यहां आकर रहते हैं। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर को प्रताप की हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी को कंबल प्रदान किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसके बाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 के पास स्थित रैन बसेरा पहुंचे। रैन बसेरे का निरीक्षण कर उन्होंने वहां मौजूद सभी राहगीरों और गरीब व्यक्तियों से चर्चा कर उन्हें भी कंबल वितरित किए। मुख्यमंत्री ने यहां विशाल मालवीय, शंकर मालवीय, ओमराज, आशीष तिवारी, दिव्यांग विजय आईना (गुनावा) सभी से चर्चा कर उनके यहां आकर रूकने की वजह पूछी। बताया गया कि सब आगे के सफर के लिए यहां रूके हैं।

महिलाओं से चर्चा की, उन्हें भी कंबल दिए

रैन बसेरे का निरीक्षण कर लौटते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्लेटफार्म नंबर 6 के सामने ही कुछ महिलाओं को बैठे देखा। उन्होंने वाहन रूकवाकर महिलाओं के पास जाकर चर्चा की और वहां बैठने की वजह पूछी। महिलाओं ने बताया कि वे सब्जी बेचने आती हैं।

रात कहां बिताओगी, मुख्यमंत्री ने पूछा तो महिलाओं ने बताया कि यहीं पर। खुले आसमान के नीचे रात बिताने की बात जानकार मुख्यमंत्री सभी महिलाओं को कंबल वितरित किए और कलेक्टर से कहा कि इन सभी के लिए भी व्यवस्थाएं की जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार गरीब और महिलाओं के कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। किसी भी गरीब को सरकार की योजनाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। सर्दी के इस मौसम में कंबल वितरण से जरूरतमंदों को बड़ी राहत मिली। मुख्यमंत्री ने राहगीरों से संवाद किया और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के वंचित वर्गों के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है। किसी भी व्यक्ति को बेसहारा नहीं रहने देंगे। गरीब कल्याण मिशन के तहत समाज के कमजोर तबकों को समर्थ बनाने के लिए हम हर कदम उठायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य समाज के हर व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। ठंड के इस मौसम में किसी को भी परेशानी का सामना न करना पड़े, यही हमारी प्राथमिकता है। राहगीरों और गरीबों ने मुख्यमंत्री की इस संवेदनशीलता की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी जरुरतमंदों को कंबल एवं गर्म कपड़े देकर सर्दी से जितना हो सके, बचने की अपील की। इस दौरान कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, नगर निगम कमिश्नर हरेन्द्र नारायण सहित सुमित पचौरी, जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने आज रीवा स्थित श्री चिरहुलानाथ मंदिर में हनुमान जी के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात श्री कृष्ण रसामृत सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में सम्मिलित होकर कथा व्यास पंडित बाला व्यंकटेश शास्त्री जी से कथा श्रवण का पुण्य लाभ अर्जित किया।

दी जाएगी आर्थिक सहायता

भोपाल। वन मण्डल उमरिया के अंतर्गत वन परिक्षेत्र घुनघुटी की बीट अरहरियादादर कक्ष क्रमांक आर.-239 में वन्य-प्राणी बाघ द्वारा लकड़ी बीनने गयी महिला बचनी बाई पर हमला किया गया, जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। वन विभाग द्वारा शासन के नियमानुसार महिला के परिजन को आर्थिक सहायता दी जाने की कार्यवाही की जा रही है। वन मण्डलाधिकारी उमरिया ने बताया कि पीड़ित परिवार को वन विभाग द्वारा हर संभव तात्कालिक सहायता प्रदान की जा रही है। वन मण्डलाधिकारी वन मण्डल उमरिया ने बताया कि 25 दिसम्बर को दूरभाष पर सूचना प्राप्त हुई कि वन परिक्षेत्र घुनघुटी के बीट अरहरियादादर कक्ष क्रमांक आर.-239 के बडका डोडबहार में महिला का शव झाड़ियों में मिला है।

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ की नई कार्यकारिणी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात, लंबित मांगों पर चर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ की नई कार्यकारिणी ने मुख्यमंत्री मोहन सिंह यादव से सौजन्य मुलाकात कर संघ के अधिकारियों की लंबित मांगों से उन्हें अवगत कराया। इस बैठक में संघ के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के प्रतिनिधियों ने बैठक के दौरान विभिन्न लंबित मुद्दों पर चर्चा की और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए सुधार और लाभकारी कदम उठाने की अपील की।

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ ने सेवा शर्तों में सुधार, लंबित पदोन्नति, वेतन विसंगतियां और अन्य प्रशासनिक समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग रखी।मुख्यमंत्री ने संघ की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को आश्वासन दिया कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सुधारों में अधिकारियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और उनके हितों की रक्षा के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान संघ के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, महासचिव टीना यादव, पूर्व महासचिव किरण गुप्ता, अपर कलेक्टर लता शरणागत, कमल सिंह सोलंकी, मुकुल गुप्ता, और प्रकाश नायक उपस्थित रहे। इनके साथ अन्य संघ सदस्य भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव राजेश राजोरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने संघ की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ विचार-विमर्श करने का आश्वासन दिया।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बनाये 9 नये वितरण केन्द्र

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में बिजली वितरण व्यवस्था में सुधार और निर्माण कार्यों को गति देने तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं देने के लिए 9 नए वितरण केन्द्र बनाये हैं। इन केन्द्रों के बनने से ग्रामीण क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से प्राप्त जानकारी में बताया गया है कि विदिशा वृत्त के गंजबासौदा संभाग में पथरिया, आनंदपुर तथा पठारी में नया वितरण केन्द्र बनाया गया है। मौजूदा बगरौदा, लटेरी तथा कुरवाई वितरण केन्द्र यथावत कार्यरत रहेंगे।

राजगढ वृत्त के जीरापुर व ब्यावरा संभाग में दो नये वितरण केन्द्र जीरापुर-1 तथा गिंडोरहट बनाये गये हैं। यहाँ पर मौजूदा जीरापुर, सुठालिया वितरण केन्द्र यथावत कार्य करते रहेंगे। वहीं बैतूल वृत्त के अंतर्गत भौरा तथा चूनाहजूरी नए वितरण केन्द्र बनाए गए हैं, जबकि शाहपुर तथा चिचौली वितरण केन्द्र पूर्ववत कार्य करते रहेंगे। कंपनी ने रायसेन वृत्त में खरवाई तथा शिवपुरी वृत्त में सतनवाडा को नया वितरण केन्द्र बनाया है, जबकि रायसेन (ग्रामीण) तथा शिवपुरी (ग्रामीण) वितरण केन्द्र पहले की तरह कार्य करते रहेंगे।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपेक्षा जताई है कि इन नए वितरण केन्द्रों से ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत वितरण व्यवस्था में सुधार आयेगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने कहा है कि नव निर्मित वितरण केन्द्रों से जहाँ एक ओर उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी वहीं दूसरी ओर निर्बाध एवं भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति में आवश्यक सुधार होगा।

नेशनल गेम्स-2025 के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिये बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएं : मंत्री सारंग

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने नेशनल गेम्स के लिये की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि नेशनल गेम्स-2025 के लिये खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के साथ बेहतर सुविधा भी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाये। मंत्री श्री सारंग ने शुक्रवार को मंत्रालय में नेशनल गेम्स-2025 के लिये खेल विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नेशनल गेम्स क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान की जायें। उन्हें ट्रेण्ड प्रशिक्षकों से ट्रेनिंग दिलवायी जाये। सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन कर गोल्ड मैडल हासिल करने के लिये प्रोत्साहित किया जाये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एक जैसे गेम्स को ग्रुप में शामिल कर 4-5 ग्रुप बनाकर अलग-अलग खेल अधिकारियों को उस ग्रुप की जिम्मेदारी दी जाये। इससे खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होगी और वह खेल अधिकारी लगातार खिलाड़ियों से सम्पर्क में रहेगा। खिलाड़ियों से निरंतर संवाद से उनको मोटिवेशन मिलेगा और उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण होता रहेगा। बैठक में बताया गया कि पिछली बार कुल 112 मैडल हासिल हुए थे, जिसमें 38 स्वर्ण, 33 रजत और 39 काँस्य पदक जीतकर मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर रहा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि संभावनाएँ बहुत हैं, प्रोत्साहन की जरूरत है। इस बार मध्यप्रदेश के खिलाड़ी और बेहतर प्रदर्शन कर अग्रणी स्थान हासिल करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने नेशनल गेम्स में शामिल होने वाले सभी खेलों में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भागीदारी करने वाले कोच और खिलाड़ियों को पहले से निर्धारित स्थान पर भिजवाने की व्यवस्था की जाये।

बैठक में बताया गया कि आगामी नेशनल गेम्स उत्तराखण्ड में होंगे। इसमें 36 गेम्स को शामिल किया गया है। ओपनिंग सेरेमनी 28 जनवरी को देहरादून में होगी। देहरादून के साथ हरिद्वार, शिवपुरी ऋषिकेष, कोटी कॉलोनी तेहरी, रुद्रपुर, उत्तमसिंह नगर, सात ताल (भीम ताल), हल्दवानी, अल्मोड़ा, पिथोरगढ़ और टनकपुर में नेशनल गेम्स के लिये जगह निर्धारित की गयी है।

बैठक में 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखण्ड-2025 की आवश्यक तैयारियों, राष्ट्रीय खेल पात्रता, खेल प्रशिक्षण शिविर, किट, रेल आरक्षण आदि पर भी चर्चा की गयी। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव, खेल संचालक श्री रवि कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक श्री बी.एल. यादव, उप सचिव श्री संजय जैन सहित अन्य खेल अधिकारी उपस्थित थे।

स म्पा द की य

इतिहास का मौन मोहन...

यथा नाम तथा गुण। यानि जैसा नाम वैसा गुण। सामान्य तौर पर ऐसा होता नहीं है, लेकिन डा. मनमोहन सिंह के बारे में यह कहा जा सकता है कि वह वास्तव में मन मोहने वाले व्यक्ति थे। मन मोहने के लिए केवल मीठी बातें ही काफी नहीं होतीं, मीठी बातें तो उसी समय प्रभाव डालती हैं, लेकिन आपके जो काम होते हैं, जो उपलब्धियां होती हैं, जो व्यवहार होता है, वह लंबे समय तक याद रखने वाला होता है, तो आप युग पुरुष की श्रेणी में भी शुमार हो जाते हैं। यही सब कुछ मनमोहन सिंह के साथ रहा।

मनमोहन सिंह ने स्वयं ही कहा था कि इतिहास उनके मूल्यांकन में वर्तमान के मुकाबले ज्यादा उदार होगा, यह गलत नहीं था। हालांकि किसी भी व्यक्ति के मूल्यांकन का बड़ा आधार उसके योगदान को समय की कसौटी पर कसना भी होता है। फिर भी, अगर मनमोहन सिंह के मन में अपने दौर की वस्तुपरकता को लेकर संदेह था, तो उसे हलके में नहीं लिया जा सकता। साफ है, उनके जीवन और योगदान को इस लिहाज से भी देखने की जरूरत है कि उसे देखने, समझने और समझाने में हमारे दौर ने कहां, कितनी और कैसी चूक की।

चाहे वित्त मंत्री के रूप में हो या प्रधानमंत्री के रूप में, उनके खाते में ऐसी उपलब्धियां दर्ज हैं, जिनकी चमक फीकी पड़ने वाली नहीं है। वित्त मंत्री कि रूप में वह देश को लाइसेंस कोटा राज से मुक्त अर्थव्यवस्था की ओर ले गए। पीएम पद के लिए उन्हें चुना भले सोनिया गांधी ने हो, अमेरिका के साथ परमाणु ऊर्जा करार को अंजाम तक पहुंचा कर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित कराने का श्रेय पूरी तरह से उनके संकल्प को ही जाता है।

डॉ. मनमोहन सिंह का मूल्यांकन आज के परिप्रेक्ष्य में किया जाए तो उनकी उपलब्धियां पहाड़ के रूप में ही दिखती हैं।

एक नीति-निर्माता के रूप में मनमोहन अपने काम में निष्णात थे। वे अपनी उम्र की तीसरी दहाई से ही आर्थिक सलाहकार के रूप में सेवाएं दे रहे थे। मुख्य आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग के सदस्य-उपाध्यक्ष और आरबीआई गवर्नर के रूप में वे नीतिगत नेतृत्व के क्षेत्र में रहे। और इनमें से प्रत्येक भूमिका में उन्होंने नए मानक स्थापित किए। चाहे वह 1970 के दशक में बेकाबू मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना हो, भारतीय वित्तीय प्रणाली के कामकाज के तरीके को बदलने के लिए सुखमय चक्रवर्ती समिति की स्थापना करना हो या सातवीं पंचवर्षीय योजना का जोर भौतिक निवेश से उत्पादकता और तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर स्थानांतरित करना हो। साउथ कमीशन में भी उन्होंने उत्तर-औपनिवेशिक देशों के समूह को एक नई पहचान देने पर जोर दिया, ये अब 'ग्लोबल साउथ' कहलाते हैं।

मनमोहन सिंह निजी तौर पर अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए तो जाने ही जाते रहे हैं, अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शासन में पारदर्शिता लाने वाले कई कदम उठाए। उनके कार्यकाल में न केवल राइट टु इन्फॉर्मेशन कानून लाया गया, बल्कि उस पर प्रभावी अमल भी सुनिश्चित कराया गया। आज, हर सरकार इस कानून को लेकर परेशानी का अनुभव करती है, तो उसके अपने कारण हैं। लेकिन यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग बन चुकी है।

वह कम बोलते थे, इसके चलते उन्हें मौन मोहन सिंह भी कहा जाता था, लेकिन अपने इस विश्वास को वह आजीवन जीते रहे कि काम को ही बोलने देना चाहिए। अपनी मितभाषिता और विनम्रता के जरिए वह राजनीति की गरिमा बढ़ाते रहे। उन पर यह आरोप भी लगा कि वह अपना और अपनी सरकार व पार्टी का ढंग से बचाव नहीं कर पाते। उनके कार्यकाल के दौरान सामने आए स्कैंडल से जो परसेप्शन बना, उसे वह समय रहते खत्म नहीं कर पाए। हालांकि अदालत में वे आरोप टिक नहीं सके। और अंततः कोयले के दाग भी उनके उजले आंचल को काला नहीं कर सके।

इसमें दो राय नहीं कि लोकतंत्र में राजनीति अपने तर्कों से ही चलती है। समाज के दृष्टिकोण को विचारधाराएं भी अपने ढंग से प्रभावित करती हैं। ऐसे में अगर नब्बे के दशक में बतौर वित्त मंत्री उनके द्वारा उठाए जा रहे ऐतिहासिक कदमों को एक खेमा संकीर्ण वैचारिक चश्मे से देख रहा था तो समाज में बन रहे परसेप्शन पर उसका असर पड़ना लाजिमी था। ऐसे ही राजनीति ने भी मनमोहन सिंह की विनम्रता के अपने ही मतलब निकाले। लेकिन इन बातों का प्रभाव, आखिरकार, कितना अस्थायी होता है यह भी मनमोहन सिंह को मिल रही श्रद्धांजलियों ने स्पष्ट कर दिया है।

उनके पूरे करियर को देखें तो तीन महत्वपूर्ण गुण सामने आते हैं। एक है दूरदर्शिता, दूसरा है साहस और तीसरा है विनम्रता। सिस्टम को आगे बढ़ाने के लिए विचारों की आवश्यकता होती है, लेकिन आपके पास दूरदर्शिता होनी चाहिए। पर्याप्त दूरदर्शिता के साथ साहस भी होना चाहिए, जो 1990 के दशक की शुरुआत में देखा गया था।

मनमोहन सिंह के 5 साल के कार्यकाल में विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 5 गुना की बढ़ोतरी हुई थी। साल 1993-94 से 2004-05 के गरीबी कम होने की दर 0.74 फीसदी थी। उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान साल 2204-05 से 2011-12 के बीच गरीबी कम होने की दर करीब तीन गुना बढ़कर 2.18 फीसदी हो गई। यही नहीं, मनमोहन सिंह के वित्त मंत्री कार्यकाल के दौरान सेंसेक्स 5 साल में 75 प्रतिशत तक उछल गया था।

कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि मनमोहन सिंह ने मौन मोहन बन कर जो किया, वो लोग बहुत कुछ बोल कर नहीं कर पाते हैं। उनकी उपलब्धियों का पूरा इतिहास बन गया है, लोग ऐसे पदों पर पहुंच कर एक पन्ने के लायक भी नहीं बन पाते। कह सकते हैं कि एक इतिहास पुरुष चला गया, चुपके से..।

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना !

ललित गर्ग

दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग।

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।'

दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है।

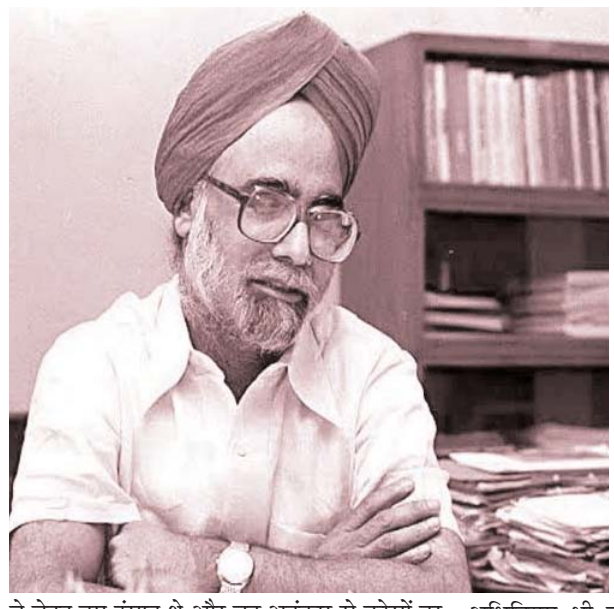

वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया।

डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ? सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ? सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं।

पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है।

2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, 'भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।' डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया।

डॉ. सिंह के राजनीतिक जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आये, जब सार्वजनिक तौर पर उनकी प्रतिष्ठा और उनके पद को कमतर दिखाने की कोशिश की गई। लेकिन फिर भी देश के लिए जीने और मरने की कसम खाने वाले डॉ. सिंह ने देश हित में अपमान के ये घूंट भी चुपचाप पी लिए। डॉ. मनमोहन सिंह को एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर भी कहा गया। 2019 में इसी नाम से फिल्म आई। यह संजय बारू की किताब पर बनी थी। डॉ. सिंह देशहित में नीतियां बनाने एवं राजनीति की नयी दिशाएं तलाशने में माहिर थे, उनका जीवन सफर राजनीतिक आदर्शों की ऊंची मीनार हैं, राजनीति का एक प्रकाश है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, नीडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। बेशक डॉ. सिंह अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल राजनीतिक जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। भारतीय राजनीति में सादगी, कर्मठता, ईमानदारी एवं राजनीतिक कौशल से अपनी जगह बनाने वाले एवं निरन्तर चमत्कार घटित करने वाले डॉ. सिंह अपनी प्रभावी एवं शालीन भूमिका से देश की आर्थिक मजबूती की एक बड़ी उम्मीद बने थे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। मन बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

एक्सीडेंटल राजनेता, क्रांतिकारी अर्थशास्त्री

उमेश चतुर्वेदी

मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री के रूप ही याद किया जाता है। लेकिन प्रधानमंत्री को राजनेता भी होना चाहिए। मनमोहन आधुनिक और प्रचलित अर्थों में राजनेता नहीं थे। उनके ही मीडिया सलाहकार रहे संजय बारू ने उन्हें एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री कहा है।

साल 1999 के आम चुनावों में दिल्ली की सात में छह सीटों पर तत्कालीन सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को करारी हार मिली थी। दक्षिण दिल्ली की इकलौती ऐसी सीट रही, जहां बीजेपी के विजय कुमार मल्होत्रा को जीत मिली थी। मल्होत्रा के सामने जिन्हें हार मिली थी, वे राजनेता मनमोहन सिंह थे। उन दिनों मैं दैनिक भास्कर के दिल्ली ब्यूरो में काम करता था। अखबारी रिपोर्टिंग की एक रवायत है। वह विजेताओं को ही खोजती है और उनकी ही बात करती है। लेकिन हमारे तत्कालीन ब्यूरो चीफ और दिग्गज पत्रकार शरद द्विवेदी ने मुझे सफदरजंग रोड भेज दिया, जहां मनमोहन सिंह बतौर राज्यसभा सांसद रह रहे थे। शरद द्विवेदी का तर्क था कि मनमोहन सिंह देश की अर्थव्यवस्था को बदलने वाले राजनेता हैं। उनके घर का माहौल देखना चाहिए और उस पर स्टोरी लिखनी चाहिए।

मैं जब मनमोहन सिंह के घर पहुंचा तो वहां करीब साठ-सत्तर कार्यकर्ता मौजूद थे। बंगले में एक तरह से उदासी छायी थी। एक ड्रम में रसना घोल रखी गई थी और आने वाले लोगों को पिलाई जा रही थी। वहां कांग्रेस का कोई बड़ा नेता मौजूद नहीं था, सिवा राजस्थान के रामनिवास मिर्धा के। मिर्धा भी चुपचाप एक कोने में खड़े थे। और तो और, वहां पत्रकार भी नहीं थे। मेरे पहुंचने के बाद बंगले में सिर्फ एक और पत्रकार आए। इस बीच साधारण से सफेद कुर्ता-पाजामा और नीली पगड़ी में मनमोहन सिंह मेरी तरफ मुखातिब हुए। उन्हें मैंने बतौर पत्रकार परिचय दिया तो उन्होंने कांपते हाथों से हाथ मिलाया और फिर उसी तरह तकरीबन कांपते हुए रसना का गिलास मुझे थमा दिया। उस वक्त मैंने बचकाना सा सवाल पूछ लिया था, क्या सोच रहे हैं?

'वैसा ही सोच रहे हैं, जैसा कोई हारा हुआ प्रत्याशी सोचता है।' उनका जवाब था।

मनमोहन सिंह को उसके बाद राज्यसभा और दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में खूब देखा। वे कभी पढ़ते हुए दिखते तो कभी चुपचाप बैठे हुए। 2004 में भारतीय जनता पार्टी के इंडिया शाइनिंग अभियान को धत्ता बताते हुए कांग्रेस की अगुआई में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने केंद्रीय सत्ता का दावेदार बन गया। तब शायद ही किसी ने सोचा था कि मनमोहन सिंह अगले प्रधानमंत्री बनेंगे।

उस वक्त माना यह जा रहा था कि अगर किसी वजह से सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगी तो प्रणब मुखर्जी देश के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। लेकिन सोनिया गांधी ने प्रणब मुखर्जी की बजाय मनमोहन सिंह पर भरोसा किया।

1991 में जब नरसिंह राव ने केंद्र की सत्ता संभाली, तब देश भारी आर्थिक संकट से गुजर रहा था। देश की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उसे विदेशी विनिमय के लिए अपना 67 टन सोना ब्रिटेन में गिरवी रखकर उसके एवज में 2.2 अरब डॉलर का कर्ज लेना पड़ा था। ऐसे माहौल में नई सरकार के लिए देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना बड़ी चुनौती थी। लेकिन नरसिंह राव ने इसे स्वीकार किया। उन्होंने मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया और मनमोहन सिंह ने उदारीकरण के साथ ही आर्थिक सुधारों की शुरूआत की। 1991 के चुनावों के बाद बनी नई सरकार ने 25 जुलाई 1991 को नया बजट पेश किया। उसी बजट को पेश करते हुए बतौर वित्त मंत्री देश को नई आर्थिक राह पर लेकर चल पड़े। उदारीकरण, वैश्वीकरण और आर्थिक सुधार के साथ देश आर्थिक मोर्चों को फतह करते हुए आगे बढ़ चला। इस राह पर देश आज कितना आगे बढ़ चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश का आज आर्थिक नक्शा बदला हुआ नजर आता है तो उसकी बड़ी वजह मनमोहन सिंह की रखी हुई बुनियाद ही है।

मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री के रूप ही याद किया जाता है। लेकिन प्रधानमंत्री को राजनेता भी होना चाहिए। मनमोहन आधुनिक और प्रचलित अर्थों में राजनेता नहीं थे। उनके ही मीडिया सलाहकार रहे संजय बारू ने उन्हें एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री कहा है। मनमोहन सिंह पर आरोप लगा कि वे कठपुतली प्रधानमंत्री हैं। उनकी सरकार को सलाह देने के लिए सोनिया गांधी की अगुआई में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद बनी, जिसके बारे में कहा जाता था कि वह सलाहकार कम, आदेश देने वाली संस्था है। उनकी ही सरकार ने तीन साल की सजा पाने वाले राजनेताओं की संसद और विधानमंडल की सदस्यता खत्म होने को रोकने वाला अध्यादेश पारित किया था, जिसे राहुल गांधी ने फाड़ कर एक तरह से उस अध्यादेश को प्रभावहीन कर दिया था।

मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक, दस साल देश के प्रधानमंत्री रहे। पहले कार्यकाल में तो नहीं, लेकिन 2009 से 2014 के कार्यकाल में उनकी सरकार और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के खूब आरोप लगे। बेशक प्रधानमंत्री के रूप में उनके चरित्र और दामन पर कोई दाग नहीं लगा। लेकिन उनकी चुप्पी देश को खलती रही। इसलिए उन्हें मौनमोहन तक कहा जाने लगा था।

बिल्कुल मामूली परिवार में जन्मे मनमोहन सिंह ने अर्थशास्त्र की ऊंची शिक्षा हासिल की। कैंब्रिज में अर्थशास्त्र की ऊंची शिक्षा ली, दिल्ली के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और पंजाब विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में अर्थशास्त्री रहे, भारत के रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे, योजना आयोग में रहे, वित्त मंत्री रहते हुए इतिहास ही रचा।

मनमोहन सिंह के बतौर प्रधानमंत्री कुछ बयान विवादास्पद भी रहे। उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है। उनका एक और बयान था कि पैसे पेड़ पर नहीं फलते। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एक समारोह में उन्होंने जब कृतज्ञ भाव से अंग्रेजों की ओर से भारत को बड़ी देन अंग्रेजी को बताया था, तब भी उन पर सवाल उठे थे।

मनमोहन सिंह सरलता और सादगी की मिसाल थे। यह सादगी उनकी ताजिंदगी पहचान रही। वे सहज भी रहे। प्रणब मुखर्जी उनके राजनीतिक बॉस रह चुके थे। बाद के दिनों में उनके मंत्रिमंडल में मुखर्जी बतौर वित्त मंत्री शामिल थे। तब भी मनमोहन उन्हें पहले की तरह सर ही कहा करते थे। जिस पर मुखर्जी ने प्रतिवाद किया था और उन्हें सर कहने से रोक दिया था। इसका खुलासा खुद प्रणब मुखर्जी ने अपने एक साक्षात्कार में किया था।

हर व्यक्तित्व के दो पहलू होते हैं। मनमोहन भी इस मानवीय व्यवहार के अपवाद नहीं थे। अब वे हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन उनकी सादगी और सरलता तो याद रहेगी, देश के आर्थिक भाग्य को बदलने वाले के रूप में उनकी छाप सदा अमिट रहेगी। भारत इसके लिए उनका शुक्रगुजार ही नहीं, ऋणी भी रहेगा।

'रेवड़ियों' के आश्वासन

राकेश दुबे

राजनीति जो कराये कम है, दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी अजब-गजब की राजनीति खेली जा रही है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'महिला सम्मान राशि' और 'संजीवनी' नामक दो प्रमुख योजनाएं घोषित की हैं। उन्होंने पात्र महिलाओं को 1000 रुपए माहवार देने का आश्वासन दिया है और सत्ता में आने के बाद यह राशि 2100 रुपए तक बढ़ाने का वायदा भी किया है।

'संजीवनी' के तहत 60 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्ग सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज करा सकेंगे। पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। ऐसी चुनावी घोषणाएं पश्चिम बंगाल, मप्र, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड सरीखे 10 राज्यों में की जा चुकी हैं, लेकिन नौकरशाही ने न तो कोई सवाल उठाया और न ही सरकारी विभागों ने इन घोषणाओं के खिलाफ विज्ञापन देकर उन्हें खारिज किया।

दिल्ली में 'आप' पार्टी की ही सरकार है। बेशक मुख्यमंत्री केजरीवाल के बजाय आतिशी हैं। जाहिर है कि केजरीवाल ने जिन योजनाओं की घोषणाएं कीं, उन्हें मुख्यमंत्री आतिशी का भी समर्थन है, लेकिन दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों ने एक विज्ञापन जारी कर कहा है- सरकार ऐसी कोई स्कीम नहीं चला रही। इतना ही नहीं, महिला और स्वास्थ्य विभागों ने दिल्ली के लोगों को आगाह किया है कि 'अस्तित्वहीन' योजनाओं में पंजीकरण के नाम पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। कोई व्यक्ति या राजनीतिक दल ऐसे फॉर्म भरवाता है अथवा निजी जानकारी मांगता है, तो यह 'धोखाधड़ी' है।

इन योजनाओं की कोई सरकारी अधिसूचना भी जारी नहीं की गई है।'' जाहिर है कि विज्ञापन का स्पष्ट संकेत केजरीवाल और 'आप' की तरफ है। यह कैसा मजाक है? दिल्ली सरकार अपने ही खिलाफ काम कर रही है अथवा लोकतांत्रिक व्यवस्था को खारिज किया जा रहा है? किसी भी चुनाव से पहले राजनीतिक दल 'रेवड़ियों' के आश्वासन देते हैं अथवा योजनाओं की घोषणा करते हैं।

ऐसे ही चुनावी वायदों पर जनता वोट देती है। यह लोकतांत्रिक अधिकार कैसे छीना जा सकता है? कुछ हालिया सालों के उदाहरण गौरतलब हैं। हिमाचल में 2022 के चुनाव से पहले और कर्नाटक में 2023 के चुनाव से पहले महिलाओं में नकदी राशि बांटने की घोषणाएं कांग्रेस ने की थीं। दोनों ही राज्यों में भाजपा सत्तारूढ़ थी। भाजपा ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा में महिला वोट बटोरने की खातिर ऐसी ही घोषणाएं की थीं। दोनों राज्यों में क्रमशः कांग्रेस और बीजू जनता दल की सरकारें थीं, लेकिन चुनावों के बाद भाजपा दोनों ही राज्यों में सत्तारूढ़ हुई।

इन तमाम संदर्भों में किसी भी सरकारी विभाग और मंत्रालय ने ऐसी घोषणाओं को न तो खारिज किया और न ही विज्ञापन जारी करने का दुस्साहस किया। आखिर दिल्ली में ऐसा क्यों हुआ? क्या जनादेशी सत्ता नौकरशाही के सामने बौनी है? क्या केंद्र सरकार के इशारे पर दिल्ली के उपराज्यपाल ने विभागों को ऐसी हरकत के लिए बाध्य किया? उपराज्यपाल भी केंद्र सरकार के एजेंट हैं। उन्हें कोई जनादेश हासिल नहीं है, लेकिन अभी तक दिल्ली में यह सवाल गुत्थी बना हुआ है कि अर्द्धराज्य का प्रमुख, कार्यकारी चेहरा कौन है? यदि मुख्यमंत्री आतिशी ने सरकारी अधिकारियों के खिलाफ 'प्रशासनिक कार्रवाई' करने का बयान दिया है, तो क्या वह ऐसा करने में सक्षम होंगी?

दिल्ली सरकार की नौकरशाही उपराज्यपाल के संरक्षण में है। अफसर मुख्यमंत्री तक की बात नहीं सुनते, लिहाजा ऐसी हरकत करना बड़ा सामान्य है। मुख्यमंत्री आतिशी ने यह आरोप लगाया है कि भाजपा के पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा सरकारी आवास से महिलाओं को 1100 रुपए प्रति बांट रहे हैं। इस तरह नकदी बांटना क्या चुनाव की मर्यादा के तहत आता है या रिश्वत बांटना है, यह देखना होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

स्वच्छता अभियान कचरे से घर पर ही कम्पोस्ट बनाना सिखाया जा रहा है

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत मुख्य नगर परिषद अधिकारी सोनाली शर्मा के मार्गदर्शन मे टीम अभिनव संस्था द्वारा गिरबर सिंह नागर एवं शुभम लोधी शीतल पटेल जयकुमारी और अनमोल समूह अध्यक्ष मेहनाज फारुकी अन्य महिलाओं को मटका कम्पोस्टिग की विधि बताई गई एवं प्लास्टिक का उपयोग कम करने के लिए लिये बोला गया और मार्केट जाते समय कपड़े के थेले का ही प्रयोगो करे । इस अवसर पर अनमोल स्व सहायता समूह की अध्यक्ष फारूकी ने सभी से अपील की है कि पॉलिथीन का उपयोग कम करें बाजार जाते समय कपड़े से बने थेली लेकर जाएं लोगों को भी पॉलिथीन से बचने की सलाह देद्य

श्री 1008 चंद्र प्रभ ओर पारस नाथ भगवान का जन्म और तप कल्याणक पर किया मस्तकाभिषेक

सिरोंज। गुरुवार को श्री 1008 चंद्र प्रभ जिनालय सिरोंज में उपरोक्त कार्यक्रम श्री 108 बिसद सागर जी तथा वैराग्य सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में भक्ति भाव से नाया गया। महमस्तका अभिषेक करने का शौभाग्य सुरेश चंद विवेक ,कुमार ,धन कुबेर राज कुबेर जैन,सुभाष चंद आदि को मिल, शांति धारा करने का शौभाग्य सुभाष चंद, संदीप कुमार ,विजयराज,नेमी चंद संजय कुमार नगर,जैनेन्द्र कुमार ,राजेश कुमार ,अमन कुमार आदि ,को प्राप्त हुआ। धर्म सभा में मुनि श्री ने प्रवचन के माध्यम से दान की महिमा का बर्णन करते हुए कहा का जितना भी धन अच्छे काम में खर्च किया जाए वहां अच्छा होता है मंदिर निर्माण में भी सभी को दान अपने समर्थ के अनुसार आवश्यक रूप से करना चाहिए शांति सद्भावना धर्म के रास्ते पर चलने का संदेश भी दिया कार्यक्रम मे भक्ति भाव से समाजजनों ने भाग लिया।

कलेक्टर ने जिला उपार्जन समिति की बैठक में दिए निर्देश

नर्मदापुरम/ कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में आज धान उपार्जन समिति की बैठक हुई। बैठक में कलेक्टर सुश्री मीना ने उपार्जन संस?था सिविल सप्लाईज कार्पो. को निर्देशित किया कि वे आगामी तीन दिवस में परिवहन एवं स्वीकृति पत्रक पूर्ण करायें। कलेक्टर सुश्री मीना ने बैठक में सहकारित विभाग को स्कंध के हैंडलिंग चालान जारी किये जाने हेतु निर्देशित किया तथा निर्देश दिए कि किसानों के भुगतान त्वरित गति से कराये जाए।

जनकल्याण पर्व में वार्डवासियों की सुनी समस्या, दिए स्वीकृति पत्र

सिरोंज। गुरुवार को वार्ड क्रमांक 7 में जनकल्याण पर्व के तहत शिविर का आयोजन हुआ। विभागों के अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में रहवासियों अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन नहीं मिलने बिजली बिल अधिक आने नामांतरण, आयुष्मान कार्ड से लेकर अन्य समस्याओं संबंधित आवेदन दिए गए जिनमें से कई पात्र लोगों को मौके पर ही पात्रता के आधार पर शासन की योजनाओं स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू ने बताया कि सरकार के द्वारा पात्र लोगों को शासन की सभी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए अभियान प्रारंभ किया गया है हमारा भी यही यह उद्देश्य है कि पत्र हितग्राहियों को शिविर के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ पहुंचाना जितने भी आवेदन यहां पर प्राप्त हुए हैं उन सभी का समाधान करके बात लोगों को योजना के अनुसार लाभान्वित करने का कार्य किया जाएगा। इस दौरान नगरपालिका मनमोहन साहू, जय नारायण सेन, फहीम खान आदि मौजूद थे।

सिख समाज ने निकाला नगर कीर्तन

औबेदुल्लागंज संवाददाता- सिख समाज की ओर से आयोजित गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादो और माता गुजरी के बलिदान को समर्पित नगर कीर्तन यात्रा निकाली गई यात्रा शुक्रवार को शाम 8:00 बजे से नर्मदा पुरम रोड गुरुद्वारा गुरुसिंघ सभा से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से होते हुए वार्ड नंबर 10 अर्जुन नगर स्थित संत संतोख सिंह भजनगढ़ गुरुद्वारा में पहुंची इस मौके पर अध्यक्ष गुरमीत सिंह शासन, सुरजीत सिंह बिल्ले, देवेंद्र सिंह राजू ,हरदीप सिंह ,मनजीत सिंह लखविंदर (लकी भैया) ओंकार सिंह, रघुवीर सिंह ,परमपाल सिंह , पवनजोत सिंह एवं माताएं और बहने आदि लोग उपस्थित थे इस उपरांत लंगर प्रसादी का कार्यक्रम संपन्न हुआ

कलेक्टर दमोह ने वेयर हाऊस जोरतला समिति प्रबंधक एवं हर्रई गोदाम समिति प्रबंधक को भी किया कारण बताओ सूचना पत्र जारी

दमोह = धान उपार्जन केन्द्र सेवा सहकारी समिति हरदुआ मुडर स्थान गांधी वेयर हाउस जोरतला समिति प्रबंधक टेक सिंह ठाकुर द्वारा किये गये कृत्य को शासन द्वारा जारी उपार्जन नीति का स्पष्ट उल्लंघन मानते हुये कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुये कहा है कारण बताये कि क्यों न उनके विरूद्ध कार्यवाही करते हुये पद से पृथक करने की कार्यवाही की जाये एवं अभियोजन की कार्यवाही की जाये। उक्त कारण बताओ सूचना पत्र प्राप्त होने के तीन दिवस के अंदर समक्ष में उपस्थित होकर अपना लिखित उत्तर प्रस्तुत किया जाये। निर्धारित समयावधि में समाधान कारक उत्तर प्राप्त न होने की दशा में नियमानुसार एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए आप स्वयं उत्तरदायी होगे। तो वही एक और समिती मेंकलेक्टर कोचर ने हर्रई गोदाम समिति प्रबंधक को जारी किया कारण बताओ सूचना पत्रदमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सेवा सहकारी समिति तेजगढ़ स्थल हर्रई गोदाम समिति प्रबंधक खुमान सिंह के द्वारा किये गये कृत्य को शासन द्वारा जारी उपार्जन नीति का स्पष्ट उल्लंघन मानते हुये कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर कहा है कारण बताये कि क्यो न आपके विरूद्ध कार्यवाही करते हुये आपको पद से पृथक किया जाये,

क्यों न आपके विरूद्ध अभियोजन की कार्यवाही की जाये। कारण बताओ सूचना पत्र में कहा गया है समिति प्रबंधक खुमान सिंह को उक्त कारण बताओ सूचना पत्र प्राप्त होने के 24 घंटे के अंदर समक्ष में उपस्थित होकर लिखित उत्तर प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित समयावधि में समाधानकारक उत्तर प्राप्त न होने की दशा में नियमानुसार एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिये वह स्वयं उत्तरदायी होगे।

धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण

समिति प्रबंधकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने दिये निर्देश

दमोह = कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज जिले के धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने आज तुलसी वेयर हाउस में संचालित धान खरीदी केन्द्र सेवा सहकारी समिति खमरिया बिजौरा एवं जय वेयर हाउस में संचालित धान खरीदी केन्द्र सेवा सहकारी समिति मौसीपुरा में निरीक्षण समय बोरियों में धान की भराई निर्धारित वजन से कम पाई जाने एवं बोरियों पर टैग नही लगे होने से समिति प्रबंधक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये जाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने ग्राम घाना मैली में मॉ संतोषी वेयर हाउस में संचालित धान खरीदी केन्द्र सेवा सहकारी समिति घानामैली के निरीक्षण दौरान गोदाम में भंडारित धान के बोरो में लगे टैंग में कृषकों की जानकारी नही लिखे होने से खरीदी केन्द्र प्रभारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये गये।

उन्होने सेवा सहकारी समिति सिग्रामपुर द्वारा संचालित खरीदी केन्द्र कोडाकला एवं सिंगपुर खेल मैदान में धान के परिवहन तत्काल किये जाने के निर्देश परिवहनकर्ता को दिये गये।

जयंती सेवा सप्ताह के दौरान 70 किमी अल्ट्रा मैराथन आज

नरसिंहपुर.। मोनू भैया जन्म जयंती सेवा सप्ताह के अंतर्गत आज एक प्रेरणादायक अल्ट्रा मैराथन प्रारम्भ हुई। यह मैराथन बरमान से सुबह 5 बजे शुरू हुई . मैराथन बरमान से शुरु होकर करेली नरसिंहपुर दादा महाराज तिराहा होते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम, गोटेगांव में संपन्न होगी.

इस आयोजन में रनर विवेक अपने अद्वितीय साहस और समर्पण का प्रदर्शन करते हुए 70 किलोमीटर की दौड़ पूरी करेंगे। उनका यह प्रयास न केवल शारीरिक सहनशक्ति का प्रतीक है, बल्कि समाज को एकता, अनुशासन और सेवा का संदेश देता है।उनके साथ अन्य सहयोगी रनर भी है , जो इस मैराथन में हिस्सा ले रहे हैं। जिनमे बरमान से दौड़ने वाले रनर - पुष्पेंद्र परसवार , मुकेश राज बर्मन, मोहित सेन , नितिन रैपुरिया , अरुण रजक , तेज प्रकाश , प्रमोद आदि हैं (कोच - दीपक पटवा)नरसिंहपुर से दौड़ने वाले रनर - योगी , करण चौधरी , रिया पटेल, आरती लोधी , विभा पटेल , शिवानी पटेल , रानी सेन , आराध्या राठौर , सरगम राठौर , आंशिका राय , आर्या चौकसे, अनन्या राठौर, दिव्या राय , यशराज रजक , अंकित साहू , ओम पटेल , नीरज , अमित मेहरा , प्रथम पिपरोलिया , संस्कार मेहरा , शिवकुमार मेहरा , पवन कुमार मेहरा , कार्तिक विश्वकर्मा लकी ठाकुर , प्रिंस , सतीश ढीमर , अंकित ठाकुर , प्रशांत यादव , अमन मेहरा , दुर्गा प्रसाद , संस्कार आदि हैं. (कोच - संदीप राजपूत)अभिषेक मिश्रा, विकास बट्टी, हरिकृष्ण कुर्मी,कुणाल गुर्जर,दीपक कंसाना,जिसनू उपाध्याय,विजय सेन,श्रेयांस मलैया,रोहित पट्टा, शशांक कापगते,विकास सेलुकर,कुणाल गुर्जर,आदर्श कहार, पुरषोत्तम भदौरिया, साहिल सोनी,शिखर सिंह,आनंद पांडे आदि मैराथन मे शामिल हुए. सेवा सप्ताह का उद्देश्य की जानकारी देते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने बताया कि मोनू भौय जन्म जयंती सेवा सप्ताह का मुख्य उद्देश्य समाज में सेवा भावना को प्रोत्साहित करना और स्वास्थ्य, अनुशासन व जागरूकता को बढ़ावा देना है। यह आयोजन युवा पीढ़ी को प्रेरित करता है और उन्हें समाज के प्रति अपने दायित्वों का एहसास कराता है।

भिंडः पटवारी आशीष त्रिपाठी के फर्जीवाड़े, शिकायत की जांच में चौंकाने वाले खुलासे

प्रभारी तहसीलदार एमएल शर्मा को भूमिका संदिग्ध

भिंड। शिकायतकर्ता रामसेवक दत्तक पुत्र हरनारायण शर्मा निवासी सिमराव ने पटवारी आशीष त्रिपाठी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पटवारी ने मिलीभगत से फर्जी एंट्री करके भूमि हड़पने और अवैध बंटवारे के जरिए राजस्व रिकॉर्ड में गड़बड़ी की। इस मामले में राजस्व मंत्री और कलेक्टर कार्यालय ने जांच के आदेश दिए हैं।

राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच पूरी कर ली गई है। संबंधित अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट सौंप दी गई है, और दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी। पटवारी पर प्रमुख आरोप और जांच रिपोर्ट में जो बिंदु सामने आए हैं, उनमें शामिल है-

1. **फर्जी नामांतरण और परिवार को नुकसान**-शिकायतकर्ता का कहना है कि 1988 में खाता नंबर 47 में फर्जी फौती नामांतरण किया गया, जिससे उनके हिस्से में केवल 1/6 भूमि आई, जबकि उनके पिता की पूरी संपत्ति में उनका बड़ा हिस्सा था। पटवारी ने अपने परिवार के नाम पर भूमि दर्ज करा ली। जांच में पुष्टि हुई कि नामांतरण प्रक्रिया में अनियमितताएं थीं।

2. **रकबे में हेरफेर**- सर्वे नंबर 377 में शिकायतकर्ता के हिस्से की भूमि 2.70 हेक्टेयर से घटाकर 1.70 हेक्टेयर कर दी गई। 1.00 हेक्टेयर भूमि

भगवान सिंह के नाम कर दी गई, जिसे बाद में पटवारी ने अपनी मां और मामी के नाम रजिस्ट्री कर दी।

3. **अवैध बंटवारा और नक्शे में गड़बड़ी**- बिना सक्षम अधिकारी के आदेश के, पटवारी ने नक्शे में बंटवारे की लाइनों को शामिल कर लिया। 2024 में पुराने आदेशों का हवाला देकर यह कार्रवाई की गई, जो राजस्व कानून का उल्लंघन है।

प्रभारी तहसीदार की भूमिका संदिग्धः प्रभारी तहसीलदार जिनका मूल पद सहायक भू लेख अधीक्षक है लेकिन वर्तमान में तहसीलदार के पद पर पदस्थ है उन्होंने बिना किसी वैधानिक आदेश के आशीष पटवारी को लाभ पहुंचाने के नीयत से बटवारा की लाइन नक्शे में।डाली जो जांच में स्पष्ट हो चुका है। यही नहीं एम एल शर्मा की पूर्व से कार्य प्रणाली संदिग्ध रही है ऐसा एक मामला ओर संज्ञान में आया को भिंड सर्किट हाउस से लगी जमीन विवाद में पूर्व से विक्रय से प्रतिबंधित जमीन को विक्रय से प्रतिबंध से मुक्त करते हुए उस पर बढ़ा घोल मॉल के पुन-विक्रय से प्रतिबंध की इसकी इसी कार्यप्रणाली से शहर के दो पटवारी आज भी सजा काट रहे है ऐसे बड़े महाशय की कार्यप्रणी से जिलाधीश बाकीब है पर इनके खिलाफ कोई कार्यवाही करने में उनकी कलम क्यों नहीं चलती यह भी एक चर्चा का विषय है। मजे की बात यह है पटवारी आशीष त्रिपाठी को पूरा संरक्षण मिला हुआ है, जिसकी वजह से किसानों को न्याय मिलना मुश्किल हो गया है

जांच निष्कर्ष-: तत्कालीन पटवारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई।राजस्व निरीक्षक की जांच रिपोर्ट में अनियमितताओं की पुष्टि हुई।शिकायतकर्ता को नुकसान पहुंचाने के लिए जानबूझकर रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की गई। कलेक्टर कार्यालय ने मामले में स्नढ़ुक्र दर्ज करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

शिकायतकर्ता की मांग- रामसेवक शर्मा ने एक आवेदन भिंड जिले प्रभारी मंत्र एवं विभागीय मंत्री को देकर बिना किसी वैधानिक आदेश के बंटवारे की लाइन डलवाने वाले एएसएलआर एमएल शर्मा जो प्रभारी तहसीलदार हैं, उनकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करते हुए तत्काल तहसीलदार के प्रभार से हटाने की ओर उनके खिलाफ कार्यवाही की जाने का निवेदन किया है। साथ ही पटवारी और अन्य संबंधित व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने भूमि वापस दिलाने और राजस्व रिकॉर्ड को सही कराने की गुहार लगाई है।

धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति ही जीवन में खुश रह सकता है

शिवमहापुराण के समापन अवसर पर बोले जुगराज धर द्विवेदी

मण्डला--जिला मुख्यालय पर 19 दिसंबर से आयोजित शिव महापुराण के समापन अवसर पर कथा व्यास आचार्य शशिकांत द्विवेदी प्रयागराज उत्तरप्रदेश ने विधि-विधान से पूर्ण आहूती कराई।इस दौरान शिव महापुराण के

समापन पर आचार्य जी से आर्शीवाद लेने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं क्षेत्र विशेष सम्पर्क प्रमुख जुगराज धर द्विवेदी,उच्च न्यायालय के शासकीय अधिवक्ता तथा विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत सहमंत्री एड. प्रदीप गुप्ता, विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत धर्म जागरण प्रमुख अरविन्द तिवारी, प्रांत विशेष सम्पर्क प्रमुख दिनेश सिंह, बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक अजय शर्मा, वन स्वर निर्देशक डॉ. शिवरथ महापुराण स्थल पहुंचे जहां पर आचार्य जी ने सभी धर्मप्रेमियों का भगवा वस्त्र से सम्मान करते हुए रूद्राक्ष भेंट किए। इस अवसर पर सम्पर्क प्रमुख जुगराज धर द्विवेदी कहा कि सनातन धर्म का विशेष महत्व है।हर हिन्दू के घर में भगवा ध्वज,गीता,रामायण और तुलसी पूजन होना चाहिए उन्होंने कहा कि हिन्दूत्व की रक्षा करना हर हिन्दू का धर्म हैं।इस दौरान रोहित बघेल, दिनेश कुमार डेहरिया, सोनू सिंधिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतियां उईके भी पहुंची उन्होंने आचार्य श्री का शॉल श्रीफल से सम्मान करते हुए इस शिवपुराण के सफल आयोजन की बधाई दी और कहा कि शिव की महिमा चारों लोक में सुनाई देती है और शिवपुराण का सुनना और शिव पुराण का आयोजन कराना पुण्य का कार्य हैं। इस दौरान भाजपा नेत्री अनिता तिवारी,वरिष्ठ भाजपा नेता प्रफुल्ल मिश्रा,सचिन शर्मा के साथ अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बता दें कि नगर मुख्यालय के पीडब्लूडी कॉलोनी मैदान में नौ दिन से चल रहे विराट श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का हवन और विशाल भंडारे के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।इस दौरान पं. पू.आचार्य शशिकांत द्विवेदी ने अंतिम दिन की कथा सुनाते हुए भक्तों से कहा कि शिव के महात्मय से ओत-प्रोत यह पुराण शिव महापुराण के नाम से प्रसिद्ध है।भगवान शिव पापों का नाश करने वाले देव हैं तथा बड़े सरल स्वभाव के हैं।इनका एक नाम भोला भी है।अपने नाम के अनुसार ही बड़े भोले-भाले एवं शीघ्र ही प्रसन्न होकर भक्तों को मनवाँछित फल देने वाले हैं।कथावाचक आचार्य ने श्रद्धालुओं से कहा कि धार्मिक आयोजनों में भावनाएं होनी जरूरी है।सगुण,साकार सूर्य,चंद्रमा,जल,पृथ्वी,वायु यह एक शिव पुराण का स्वरूप हैं।उन्होंने कहा कि अपने चारों ओर सदैव वातावरण शुद्ध रखें।जहां स्वच्छता और शांति होती है,वहां देवताओं का वास होता है। जल,वायु, पेड़ एक चेतन से लेकर जड़ चेतन में आकर एक-दूसरे के सहायक बनते हैं।

संगठन चुनाव : जिला अध्यक्ष हेतु चयन में प्रतिभाशाली कार्यकर्ताओं को छोड़ अपनी बिसात बिछाते सांसद और मंत्री

खंडवा । अभिनेष सिंह। संगठन का हर कार्यकर्ता प्रतिभाशाली है जिनमें जोश और उमंग की भी कमी नहीं है ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं के बीच में से मंडल अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष का चयन करना जो कि मंडल से लेकर जिले में होने वाले हर कार्यक्रम एवं चुनावी रणनीतियों में ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओं और आम जनता की सहभागिता जुटा सके, छोटे स्तर पर व्यापक प्रबंधन एवं नियंत्रण करने की कौशलता रख सके । मध्य प्रदेश के हर जिले में हर मंडल में अनेकानेक योग्य कार्यकर्ता है किंतु जरुरी नहीं कि वह वर्तमान विधायक एवं सांसद के चहेते हो या चाटूकारिता करते हो ऐसे में प्रदेश स्तर पर जिलाध्यक्षों के चयन के मापदंड अनुचित और निराधार नजर आते हैं, संगठन को वर्तमान में मंडल अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्ष के चयन में ज्यादा अधीरता दिखाने की आवश्यकता नहीं है और ना ही इस चयन में वर्तमान चूने गए नेतृत्वों के हस्तक्षेप की आवश्यकता है, बल्कि पड्ढावाद और अपने इशारे पर नचाने वाले मंत्री और सांसदो से संगठन के इन महत्वपूर्ण पदो को संक्रमित होने से बचाने की आवश्यकता है, वर्तमान में विधायक सांसद एवं मंत्री का चयन एक अलग प्रक्रिया है जिसमें यही संगठन मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, पन्ना प्रमुख अपनी साख,व्यवहार, और संपर्क के बल पर संगठन द्वारा खड़े किए गए नेतृत्व को भारी से भारी मतदान दिलाकर विजय बनाते है जहां संगठन के यह नेतृत्व कभी नहीं देखते है कि संगठन ने किसे टिकट दिया है बल्कि संगठन के दिए गए आदेश का पालन करते हैं ऐसे में संगठन के अंदर होने वाली चयन प्रक्रिया में जीते हुए नेतृत्वों का हस्तक्षेप संगठन गढ़ने वाले एवं जनता के दिलों में बसने वाले अप्रत्यक्ष मंडल अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष के चयन में अनुचित है, वर्तमान में खंडवा में मंडल अध्यक्षों के चयन को लेकर जहां भारी असंतोष फैला हुआ है वहीं संगठन के जिला अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर योग्य, अनुभवी, संगठन को जोड़ने की शक्ति रखने वाले, 24 घंटे 7 दिन जागृत अवस्था में संगठन के लिए आहुत होने के साथ साथ मंत्री का पठ्ठा, सांसद का गुलाम या उनके इशारों पर नाचने वाले कार्यकर्ताओं की खोज की जा रही है।

संगठन के कार्यकर्ता जाति बंधन मुक्त हो

लोकतांत्रिक चुनाव में जाति आधार पर चयन वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था है मगर पार्टियों को संगठन के अंदर जातिगत चयन की प्रक्रिया को निर्मूल कर देना चहिए, क्योंकि संगठन में आने से पहले और बाद में जाति आधारित चयनित संगठन का नेतृत्व कभी भी अपनी जाति के सुरक्षा और विकास के लिए कभी आगे नहीं आया ऐसे में संगठन द्वारा जाति आधारित चयन पर हंसी भी आती है और दुख भी होता है, वर्तमान में संगठन में पदाधिकारी का चयन योग्यता और अनुभव के आधार पर होना चाहिए, निरंतर सेवा देने वाले कार्यकर्ताओं को चयनित करना चाहिए ताकि भविष्य में संगठन से जुड़ने वाला कार्यकर्ता संगठन का कार्य करे ना कि विधायकों, सांसद, मंत्री, की जी हजूरी में व्यस्त हो जाएं।

दया, प्रेम और शांति की प्रेरणा है क्रिसमस

(प्रवीण कक्कड़)

25 दिसंबर को पूरे विश्व में क्रिसमस का त्यौहार मनाया जा रहा है। ईसा मसीह का जीवन दया, प्रेम और शांति का संदेश देता है। प्रभु यीशु ने जो कहा उसका संकलन बाइबिल में है लेकिन उन्होंने जो जीवन जिया उसका संकलन मानवता की स्मृतियों में है। इसलिए यह त्यौहार धर्म की सीमाओं को पार कर मानवता को एक सूत्र में बांधता है। भारत की संस्कृति अद्वैतवाद की संस्कृति है। ऐसे में भारत में क्रिसमस पर्व सांस्कृतिक एकता को दर्शाता है।

रोमन साम्राज्य की रक्त पिपासा के बीच जीसस शांतिदूत बनकर पृथ्वी पर आए। दिशाहीन मानवता को उन्होंने एक दिशा प्रदान की। भटके हुए लोगों को सही राह दिखाई और इंसानियत के लिए ही अपना बलिदान दिया।

क्रिसमस भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रकटन है। धर्म, जाति और संप्रदाय से परे सभी लोग मिलकर इस त्योहार को मनाते हैं। यदि हम भारतीय वांग्मय में देखें तो अद्वैत की परिकल्पना सर्वश्रेष्ठ है। जब ईश्वर की प्रार्थना एकाकार होकर की जाए तो वह अद्वैत ही होता है। इसलिए ईशा का जन्म भले ही यरूशलम की धरती पर हुआ हो लेकिन वह भारत भूमि में भी उतने ही पूज्यनीय और मान्य हैं। भारत एक ऐसा देश है जहां सभी धर्मों के बीच सांस्कृतिक एकता है और सांस्कृतिक प्रेम भी है। भारत भूमि पर अनेक धर्मों का जन्म हुआ किंतु जो धर्म भारत में नहीं जन्मे उन धर्मों को भी यहां सम्मान मिलता है। इसलिए क्रिसमस भी भारत की सांस्कृतिक एकता से जुड़ा हुआ है।

अ ा इ ए , क्रिसमस से जुड़ी कुछ प्रेरक बातों पर नज़र डालते हैं

1. दया का भाव जगाएं - क्रिसमस हमें दूसरों की मदद करने और उन्हें खुश करने का मौका देता है। चाहे वह किसी जरूरतमंद को दान देना हो या किसी की मदद करना हो, हर छोटा कदम मायने रखता है। अपने समुदाय में स्वयंसेवा करके आप न केवल दूसरों की मदद कर सकते हैं बल्कि खुद को भी संतुष्टि महसूस करेंगे।

2. रिश्तों को मजबूत बनाएं - क्रिसमस का त्योहार परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने का एक शानदार अवसर है। आप एक साथ समय बिताकर अपने रिश्तों को मजबूत बना सकते हैं। अपने प्रियजनों के साथ हंसी-मजाक और यादें बनाएं। यह आपको खुश रखने के साथ-साथ आपके रिश्तों को भी मजबूत बनाएगा।

3. आभार व्यक्त करें - इस त्योहार पर अपने जीवन में मौजूद सभी अच्छी चीजों के लिए आभार व्यक्त करें। यह आपको सकारात्मक रहने में मदद करेगा।

4. आशा और विश्वास रखें - क्रिसमस हमें उम्मीद और विश्वास की भावना से भर देता है। भविष्य के लिए सकारात्मक सोचें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। आप अपने जीवन में सकारात्मकता लाने के लिए प्रयास करें।

5. अपने अंदर के बच्चे को जगाएं- क्रिसमस हमें अपने अंदर के बच्चे को जगाने और जीवन का आनंद लेने का मौका देता है। दोस्तों और परिवार के साथ खेलें और मजे करें। यह आपको तनाव मुक्त रखने में मदद करेगा।

क्रिसमस का त्योहार सिर्फ उपहारों, सजावट और पार्टियों से कहीं ज्यादा है। यह एक ऐसा समय है जब हम प्यार, दया और शांति की भावनाओं को अपने जीवन में शामिल करते हैं। आइए, हम सभी मिलकर इस त्योहार को यादगार बनाएं और दूसरों के लिए कुछ अच्छा करें।

सांता क्लॉज-सिर्फ एक किरदार नहीं, एक प्रेरणा भी हैं

सांता क्लॉज का नाम सुनते ही हमारे मन में एक मोटे, हंसमुख व्यक्ति की छवि उभर आती है, जो लाल रंग का कोट पहनकर उड़ने वाले हिरनों की गाड़ी में सवार होकर बच्चों को उपहार देता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि सांता क्लॉज सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि एक प्रेरणा भी हैं। ऐसा कहा जाता है कि सांता का असली नाम संत निकोलस था। संत निकोलस का जन्म जीसस की मौत के करीब 280 साल बाद हुआ था। उन्होंने अपना पूरा जीवन ईश्वर की भक्ति, प्रेम और शांति का संदेश देने के साथ दूसरों को खुशियों बांटने में लगा दिया। तब से वे सभी के लिए एक प्रेरणा बन गए और उनकी याद में लोग उनके जैसी वेशभूषा धारण कर दूसरों को खुशियां बांटने का प्रयास करते हैं।

सोशल मीडिया से

India was on the verge of getting bankrupt in 1991.

The then Congress Prime Minister Narsimha Rao called Finance Minister Manmohan Singh and asked how much money is there in the treasury. Manmohan Singh said, very little to enable us to run the country for about 9 days only.Narasimha Rao got tensed and asked how to deal with this situation? Manmohan Singh said that the value of the country's rupee should have to fall by 20%. Narasimha ji said, okay call the cabinet meeting and we will seek approval.To which Manmohan ji said, if we arrange cabinet meeting, we will not be able to take these tough decisions. All ministers will address the vote bank and won't agree to it. So as the PM, you have to take this critical decision.Narasimha ji paused for a while, and asked Manmohan ji to leave. Manmohan ji went to his office. After about 20 minutes, the PM's secretary went to Manmohan ji and handed over a letter. In that letter Narasimha Rao Ji had written, "Done"!Manmohan ji got surprised, how could the PM gather the courage to say Yes even without getting nod of cabinet ministers? That could upset many top leaders of Congress. He rushed to PM's office again and asked what happened within these 20 minutes that led you to say yes?Narasimha ji said, it was quite easy. I just spoke to the opposition leader, Atal Bihari Bajpai ji, and he said Yes.Manmohan ji asked, does that mean you look at Atal ji more than your own cabinet? Narasimha ji had said, I know he is the only person who will speak in the interest of the country.It happens that after the announcement of this drastic decision to firefight bankruptcy, the Atal ji led opposition team never organized a protest movement, but supported the government to bring the country's economy back on track.Gone those Politicians, gone those days..

Vishrut Acharya.

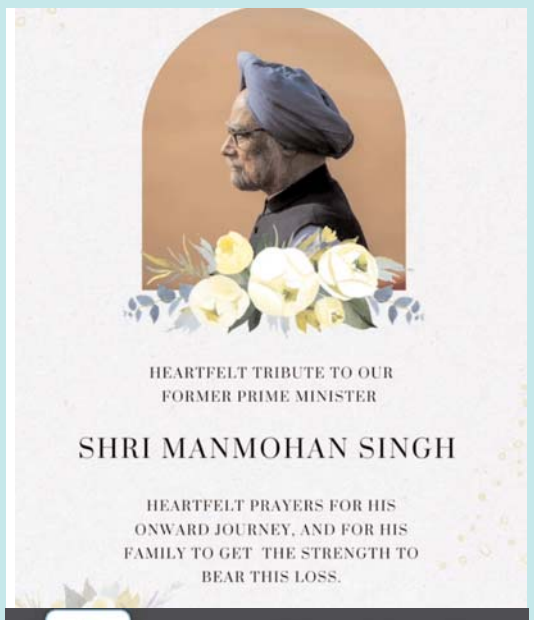

विधायक का बड़ा फैसला, बदलेंगे कई कॉलोनीयों के नाम, मिया भाई की चाल बदलकर बन जाएगा श्री राम नगर

इंदौर। विधायक गोलू शुक्ला ने इंदौर विधानसभा 3 की कई कॉलोनियों के नाम बदलने की मांग शहर के मेयर से की हैं। उनका मानना है कि यह नाम परिवर्तन शहर के विकास, समाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक पहचान के लिए जरूरी है।खातीपुरा चौराहे का नाम भी बदलने का प्रस्ताव है, और इसे ÷रघुनाथ पुरम चौराहा÷ के नाम से जाना जाएगा। यह नाम रघुकुल नायक श्रीराम से प्रेरित है, जो हिंदू धर्म में आदर्श पुरुष के रूप में माने जाते हैं। गोलू शुक्ला का कहना है कि इन नामों में बदलाव से एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे पहले किसी समय हाथीपाला क्षेत्र में हाथी पालने का काम किया जाता था, उसी समय के हिसाब से स्थानों का नाम रखा गया था। लेकिन अब वक्त बदल चुका है, और नामों के जरिए सकारात्मक संदेश समाज में फैलाना चाहिए। उनका यह कदम शहर के विकास, सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

टाटा मोटर्स ने एक ही साल में यूपीएसआरटीसी से बस चेसिस का तीसरा ऑर्डर हासिल किया

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनीटाटा मोटर्सने आज घोषणा की है कि उसेउत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम से 1,297 बस चेसिसका बड़ा ऑर्डर मिला है। यहएक साल में यूपीएसआरटीसी से मिला तीसरा ऑर्डर है, जिससे कुल ऑर्डर सं या बढ़कर 3,500 यूनिट्सहो गई है। यह ऑर्डरप्रतिस्पर्धी ई-बिडिंग प्रक्रियाके जरिए हासिल किया गया, जिसमें कंपनी नेएलपीओ 1618 डीजल बस चेसिसके लिए चयनित किया गया। चेसिस की आपूर्तिंपरस्पर सहमतिके आधार परचरणबद्ध तरीके सेकी जाएगी। टाटा एलपीओ 1618 डीजल बस चेसिसको खासतौर परइंटरसिटी और लंबी दूरी की यात्राओंके लिए डिज़ाइन किया गया है। यह चेसिस अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस, यात्रियों के लिएआरामदायक अनुभवऔरस्वामित्व की कम लागत के लिए मशहूर है। इस नए ऑर्डर के साथ टाटा मोटर्स ने एक बार फिर साबित किया है कि वहसार्वजनिक परिवहनके क्षेत्र में विश्वसनीय और पसंदीदा नाम है।

इंदौर के व्यापारीयों ने यूपीआई पेमेंट से किया इंकार, दुकानों के बाहर लगाए पोस्टर, जानें क्या है वजह

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में व्यापारियों ने हाल ही में एक बड़ा कदम उठाते हुए ग्राहकों से यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) के जरिए पेमेंट लेने से इंकार कर दिया है। इन व्यापारियों का कहना है कि साइबर फ्रॉड की बढ़ती घटनाओं ने उनके लिए यूपीआई पेमेंट को जोखिमपूर्ण बना दिया है। व्यापारियों द्वारा इस संबंध में अपने प्रतिष्ठानों पर पोस्टर भी लगाए गए हैं, जिसमें स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि वे अब यूपीआई पेमेंट स्वीकार नहीं करेंगे।

साइबर फ्रॉड का बढ़ता खतरा

इंदौर के व्यापारी बताते हैं कि साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या के कारण वे यूपीआई पेमेंट से बचना चाहते हैं। उनका कहना है कि जब एक अपराधी किसी धोखाधड़ी के तहत किसी खाते से पैसे ट्रांसफर करता है और फिर उस खाते से व्यापारी के पास सामान खरीदने आता है, तो जांच के दौरान व्यापारी का खाता भी सील कर लिया जाता है। इस स्थिति में, व्यापारी का पैसा अकाउंट में फंस जाता है और वह उसे न तो निकाल सकता है और न ही उसका उपयोग कर सकता है। इस तरह के मुद्दों से परेशान होकर व्यापारी अब कैश और क्रेडिट कार्ड द्वारा ही पेमेंट लेने का विकल्प चुन रहे हैं।

इंदौर में युग पुरुषधाम की मान्यता खत्म, 86 बच्चों को उज्जैन के सेवा धाम में किया गया शिफ्ट

व्यापारी संगठनों की नाराजगी और उनका विरोध

राजवाड़ा क्षेत्र के व्यापारियों की एसोसिएशन ने यह निर्णय लिया है कि वे यूपीआई पेमेंट से दूर रहेंगे। एसोसिएशन के अनुसार, जब कभी कोई ग्राहक यूपीआई के माध्यम से भुगतान करता है, और बाद में वह गुनाहगार साबित होता है, तो पुलिस व्यापारी के खाते को सील कर देती है। इस प्रक्रिया में कई महीने लग जाते हैं, जिससे व्यापारी को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ता है। इस पूरी स्थिति से व्यापारी बेहद परेशान हैं और उन्होंने इसका समाधान न निकलने तक यूपीआई पेमेंट का विरोध करने का फैसला किया है।

इंदौर के कलेक्टर, आशीष सिंह ने इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जब भी साइबर फ्रॉड की कोई शिकायत आती है, तो पुलिस प्रशासन तुरंत कार्रवाई करता है। उन्होंने व्यापारियों के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि अगर एक-दो ट्रांजेक्शन के कारण कोई दिक्कत आ रही है, तो इसका मतलब यह नहीं कि यूपीआई पेमेंट को गलत ठहराया जाए। कलेक्टर ने आगे बताया कि वे व्यापारियों से मिलने के लिए एक टीम भेजेंगे ताकि इस मुद्दे पर बातचीत की जा सके। उनका मानना है कि डिजिटल इकोनॉमी का विकास अत्यंत आवश्यक है, और यदि इसमें कोई कमी है, तो उसे दूर किया जाना चाहिए।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष ने शर्ट उतारकर खुद को क्यों मारे कोड़े, चप्पल नहीं पहनने की खाई कसम, पूरे राज्य में आक्रोश

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई द्वारा अपने घर के बाहर स्वयं को छह कोड़े मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह विरोध प्रदर्शन अन्ना यूनिवर्सिटी की एक छात्रा के यौन उत्पीड़न और तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार के खिलाफ उनके असंतोष को व्यक्त करने के लिए किया गया।

कोड़े मारकर जताया विरोधः अन्नामलाई ने कहा कि उनका यह कदम तमिल संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ÷तमिल संस्कृति में आत्म-ध्वजारोपण और आत्म-दंड जैसी प्रथाएं लंबे समय से अन्याय के खिलाफ खड़े होने का प्रतीक रही हैं। मेरा यह प्रदर्शन किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि राज्य में बढ़ते अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ है।÷

अन्नामलाई ने डीएमके सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ा है, जिससे आम जनता, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों, पर अत्याचार हो रहा है।

चप्पल न पहनने की शपथ : अन्नामलाई ने यह ऐलान किया कि जब तक डीएमके सरकार सत्ता से बाहर नहीं होगी, वह चप्पल नहीं पहनेंगे और नंगे पैर चलेंगे।

उन्होंने कहा,÷यह मेरा प्रण है कि जब तक राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी का शासन समाप्त नहीं होता, मैं सामान्य जीवन नहीं जीऊंगा।÷

अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि अन्ना यूनिवर्सिटी की घटना के आरोपी के संबंध डीएमके की छात्र शाखा से हैं। उन्होंने सबूत के तौर पर आरोपी की डीएमके नेताओं के साथ तस्वीरें भी दिखाईं। उन्होंने पुलिस पर भी सवाल उठाए और कहा कि आरोपी के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की गई क्योंकि वह सत्ताधारी पार्टी से जुड़ा हुआ है।

क्या है तमिल संस्कृति और इस विरोध का महत्व?: अन्नामलाई ने तमिल संस्कृति की गहराई का जिक्र करते हुए बताया कि आत्म-दंड जैसे कदम राज्य के अन्याय के खिलाफ लड़ाई के प्रतीक हैं। उनका मानना है कि यह प्रदर्शन जनता को जागरूक करेगा और डीएमके सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने में मदद करेगा।

ई-टेंडरिंग घोटाले की फिर से होगी जांच

- 3,000 करोड़ के ई-टेंडर घोटाले के खात्मे को नहीं मिली अदालत की मंजूरी - विशेष न्यायाधीश ने दिए जांच के आदेश... - अधिकारियों, कंपनियों, ठेकेदारों और नेताओं की मिलीभगत पर से हटेगा पर्दा भोपाल (ईएमएस)। मप्र के बहुचर्चित ई-टेंडरिंग घोटाले की फिर से जांच होगी। दरअसल, 3,000 करोड़ रूपए के ई-टेंडर घोटाले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ द्वारा अदालत में खात्मा पेश किया था। अदालत में इस मामले की सुनवाई राम प्रताप मिश्र विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की अदालत में हुई। न्यायालय द्वारा सुनवाई के पश्चात ई-टेंडर घोटाले के खात्मा आवेदन को 24 दिसंबर 2024 को निरस्त कर दिया है। अदालत ने इस मामले की पुन- जांच करने के निर्देश राज्य आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल को दिए हैं। गौरतलब है कि मप्र में शासकीय ठेकों को ई टेंडरिंग के माध्यम से भ्रष्टाचार रोकने की पहल ही भ्रष्टाचार का शिकार हो गई। टेंडर में शामिल रहीं कंपनियों ने 13 अन्य राज्यों में भी इसी तरह वहां सरकारी ठेके हथियाएं हैं। आरोपियों से पूछताछ में मप्र के आधा दर्जन आईएएस अधिकारी और उनसे जुड़े रहे लगभग एक दर्जन राज्य प्रशासनिक सेवा और निजी स्टाफ में शामिल रहे कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आई थी। अदालत के फैसले के बाद ईओडब्ल्यू दोबारा जांच करेगा। लोगों को उम्मीद है कि अधिकारियों, कंपनियों, ठेकेदारों और नेताओं की मिलीभगत से यह जो महाघोटाला हुआ था उसकी परतें खुल जाएंगी। पांच बिंदुओं पर जांच के आदेश विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण ने राज्य आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के खात्मा आवेदन को निरस्त करते हुए पांच बिंदुओं पर जांच के आदेश दिए हैं। 1- अदालत ने एमपीएसईसीडीसी द्वारा वीपीएन लांग्स के संबंध में साक्ष्य एकत्रित करने का आदेश दिया है। पत्र क्रमांक 6865 दिनांक 29/03/2019 के पत्र के अनुसार जानकारी जुटाने के आदेश दिए हैं। न्यायालय ने मूल पत्र को भी साक्ष्य में लेने का आदेश दिया है। 2- विशेष न्यायाधीश ने पत्र क्रमांक 419 दिनांक 03/05/2019 के द्वारा जो जानकारी प्रेषित की गई थी। उसके साक्ष्य एकत्रित करने के आदेश जांच एजेंसी को दिए हैं। 3- विशेष न्यायाधीश ने पीटी राउटर से आईपी एड्रेस 164.100.196.120 से आने वाले ट्रैफिक के संबंध में इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर से साक्ष्य एकत्रित करने के लिए आदेश दिए हैं।

सीआईडी में दरवाजा तोड़ने फिर लौट आए

टीवी को आए 6 दशक से ज्यादा हो गए। लेकिन, इतने लंबे अरसे बाद भी यदि दर्शकों की पसंद पर खरे उतरे सीरियलों का जिक्र किया जाए, तो ऐसे सीरियल उंगलियों पर गिने जा सकते हैं। इन्हीं में से एक है क्राइम-इन्वेस्टिगेशन शो 'सीआईडी' जो अपने बहुप्रतीक्षित दूसरे सीजन के साथ वापस आ गया। करीब 21 साल तक ये नॉन स्टॉप प्रसारित होता रहा। इसके बाद ये 6 साल तक छोटे परदे से गायब हो गया था। अब ये फिर अपने उसी कलेवर के साथ वापस लौट आया। जिस तरह फिल्मों का दूसरा सीजन आता है 'सीआईडी' की वापसी भी कुछ उसी तरह हुई। शो के वही तीन प्रमुख किरदार हैं जिनमें कोई बदलाव नहीं किया गया। इसके प्रमुख किरदार प्रद्युम्न सिंह हैं, जो 'सीआईडी' के एसीपी की भूमिका में हैं। 'सीआईडी' 1998 में 'सोनी टीवी' पर आना शुरू हुआ था। 2018 तक इस शो ने छोटे परदे के दर्शकों का मनोरंजन किया। एसीपी प्रद्युम्न सिंह और इंस्पेक्टर दया का आज भी लोग जिक्र करते हैं। इसके चर्चित डायलॉग 'कुछ तो गड़बड़ है' और 'दया दरवाजा तोड़ो' लोगों की बातचीत का जैसे हिस्सा बन गए। 6 साल के लंबे अंतराल के बाद 'सीआईडी' फिर छोटे परदे पर उसी चैनल पर वापस आ गया। शो के कलाकार अपने अभिनय की बदौलत घर-घर में मशहूर थे। अब एक बार फिर पसंदीदा किरदारों की छोटे परदे पर वापसी हो गई।

लंबे अरसे बाद फिल्मों के प्रति दर्शकों की रूचि फिर बढ़ने लगी है। फ़िल्में हिट और सुपरहिट होने लगी। इसके अलावा ओटीटी जैसा विकल्प भी दर्शकों की पसंद में शामिल हो गया। ऐसे में टीवी सीरियल दर्शकों की रूचि से बाहर होने लगे हैं। इस माहौल में 'सीआईडी' की वापसी अलग तरह का सुकून है। अपराध कथाओं पर आधारित ये सीरियल भले ही चैनल पर बंद हो गया था, पर इसकी दो एपिसोड लंबी कहानियां कई बार दिखाई देती रही। टीवी पर 'सीआईडी' की अहमियत वैसी ही थी, जैसी रामानंद सागर के 'रामायण' और बीआर चोपड़ा की 'महाभारत' के अलावा 'हम लोग' और 'बालिका वधु' जैसे सीरियलों की रही। सीरियल के हर एपिसोड में किसी रोचक आपराधिक केस की गुत्थी 'सीआईडी' की टीम सुलझाती रही। कथानक की रोचकता और डायरेक्शन ने दर्शकों को इससे बांध रखा था। लेकिन, 6 साल के लिए जो साथ छूट गया था, वो फिर जुड़ गया। एसीपी के किरदार में शिवाजी साटम, आदित्य श्रीवास्तव और दयानंद शेट्टी की तिकड़ी पर ही इस सीरियल का दारोमदार रहा, वही आज भी है। 'सीआईडी-2' के एपिसोड सोनी टीवी के साथ अब ओटीटी 'सोनी लिव' पर भी आने लगे। बहुचर्चित किरदार एसीपी प्रद्युम्न सिंह, इंस्पेक्टर अभिजीत और दया अपनी इन्वेस्टिगेशन करने वापस आ गए। टेलीविजन पर दो दशकों तक चलने वाले सीरियलों का इतिहास काफी लम्बा है। इसके सामने सास-बहू पुराण और पारिवारिक षड्यंत्रों वाले सीरियलों को तब तक खींचा जाता रहा, जब तक दर्शक उससे बिदकने न लगें ! लेकिन, लम्बा चलकर भी जो शो दर्शकों की पसंद बने रहे, तो उन्हें उंगलियों पर गिना जा सकता है। 'रामायण' और 'महाभारत' जैसे धार्मिक ग्रंथों पर बने सीरियलों के बरसों तक चलने के अपने कारण हैं। उनका कथानक कई मोड़ लिए होता है। इनके कथानक को बीच में ख़त्म नहीं किया जा सकता।

दीप्ति शर्मा के छक्के से जीती भारतीय महिला टीम, वेस्टइंडीज क्लीन स्वीप

वड़ोदरा। भारतीय महिला टीम और वेस्टइंडीज महिला टीम के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला भारतीय टीम ने 5 विकेट से अपने नाम कर लिया। इस मैच में दीप्ति शर्मा ने 6 विकेट लेकर वेस्टइंडीज टीम को 162 रन पर समेट दिया। गेंद के बाद दीप्ति ने बल्ले से भी कमाल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज महिला टीम का सूपड़ा साफ कर दिया और तीन मैचों की वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

दीप्ति के शानदार प्रदर्शन और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर (29 रन देकर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से भारत ने वेस्टइंडीज को 162 रन पर समेट दिया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम शीर्ष क्रम के चरमराने के बावजूद 28.2 ओवर में जीत दर्ज करने में सफल रही। वेस्टइंडीज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रेणुका ठाकुर ने शुरुआत के तीनों विकेट निकाले। 9 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने संभलकर बल्लेबाजी की।

चौथे विकेट के लिए शिनेले हेनरी और शेमाइन कैंपबेल के बीच 91 रनों की साझेदारी हुई। अगर यह साझेदारी नहीं होती तो वेस्टइंडीज सौ रन भी नहीं बना पाती। वेस्टइंडीज के लिए शिनेले हेनरी ने 61 रनों की पारी खेली। वहीं शेमाइन कैंपबेल ने 46 रन बनाए। इनके अलावा आलिया एलेनी ने 21 रन बनाई। तीन बैटर को छोड़कर अन्य कोई खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। भारत के लिए गेंदबाजी करते हुए रेणुका सिंह ठाकुर ने 29 रन देकर 4 विकेट और दीप्ति शर्मा ने 31 रन देकर 6 विकेट लेकर वेस्टइंडीज की पारी को समेट दिया।

दीप्ति की सधी पारी से मिली जीत

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत भी कुछ ज्यादा अच्छी नहीं रही। स्मृति मंधाना 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। वहीं पिछले मैच में शतक लगाने वाली हरलीन भी 1 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। उसके बाद प्रतिका रावल ने 18, हरमनप्रीत कौर ने 32, जेमिमा रोड्रिग्स ने 29 रन बनाए।

भारत ने 73 रन के स्कोर पर चार विकेट खो दिये थे लेकिन दीप्ति (48 गेंद में नाबाद 39 रन) के अनुभव के बूते टीम 21 ओवर पहले लक्ष्य तक पहुंच गई। विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष 11 गेंद में 23 रन बनाकर नाबाद रहीं। वेस्टइंडीज के लिए डिएड्रा डॉटिन ने 1 विकेट चटकाए। आलिया एलेनी ने 1, हीली मैथ्यूज ने 1, फ्लेचर ने 1 और करिश्मा ने 1 विकेट चटकाए। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने क्लीन स्वीप कर दिया। टी20 सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम ने वनडे सीरीज भी अपने नाम की। लगातार हार के बाद मिली जीत से भारतीय टीम का कॉन्फिडेंस बढ़ा होगा।

सुजुकी कंपनी के पूर्व चेयरमैन ओसामू सुजुकीका निधन, 94 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के पूर्व चेयरमैन ओसामू सुजुकी का 94 साल की उम्र में निधन हो गया। ओसामू सुजुकी ने 2021 में 91 साल की उम्र में अपने रिटायरमेंट का ऐलान किया था। अपने करियर के दौरान उन्होंने सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन को 40 साल से ज्यादा समय तक नेतृत्व प्रदान किया और कंपनी को दुनिया भर में एक प्रमुख नाम बनाया।

मारुति 800 की लॉन्चिंग सबसे बड़ी उपलब्धी

सुजुकी को 1981 में मारुति उद्योग लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम बनाने के लिए तत्कालीन भारत सरकार के साथ साझेदारी करने का जोखिम उठाने के लिए पहचाना जाता है। उस समय भारत लाइसेंस व्यवस्था के तहत एक बंद अर्थव्यवस्था थी। इसलिए सुजुकी को व्यापक रूप से देश में मोटर वाहन उद्योग को बढ़ावा तथा नई दिशा देने वाले शख्स के तौर पर पहचाना जाता है। सरकार के 2007 में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के साथ मिलकर कंपनी से बाहर निकलने का फैसला करने पर मारुति उद्योग लिमिटेड, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड बन गई। ओसामु सुजुकी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक और मानद अध्यक्ष थे।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने सुजुकी के निधन पर कहा, '' उनकी दूरदर्शिता, ऐसा जोखिम उठाने की उनकी इच्छा जिसे कोई और उठाने को तैयार नहीं था, भारत के प्रति उनके गहरे व अडिग प्रेम और एक शिक्षक के रूप में उनकी अपार क्षमताओं के बिना मेरा मानना ??है कि भारतीय मोटर वाहन उद्योग वह महाशक्ति नहीं बन पाता जो वह बन गया है।%% भारत के साथ सुजुकी के संबंधों को याद करते हुए भार्गव ने कहा, ''उन्होंने कई प्रधानमंत्रियों का विश्वास जीता और उसका लाभ उठाया। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनके करीबी संबंध थे... देश में उनके असंख्य प्रशंसक और लाभार्थी उन्हें याद रखेंगे।

जापान में हुआ था ओसामू सुजुकी का जन्म

सुजुकी का जन्म 30 जनवरी 1930 को हुआ था। उन्होंने चुओ विश्वविद्यालय के विधि संकाय से स्नातक की उपाधि हासिल की और अप्रैल 1958 में तत्कालीन सुजुकी मोटर कंपनी लिमिटेड में शामिल हो गए। नवंबर 1963 में उन्हें निदेशक नियुक्त किया गया और दिसंबर 1967 में वे निदेशक एवं प्रबंध निदेशक बन गए।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) की अध्यक्ष श्रद्धा सूरी मारवाह ने शोक संदेश में कहा, ''मारुति सुजुकी के जरिये भारत में उनके असाधारण योगदान ने न केवल भारतीय मोटर वाहन परिदृश्य में क्रांति ला दी, बल्कि भारत तथा जापान के बीच संबंधों को भी मजबूत किया। एक ऐसी साझेदारी को बढ़ावा दिया जिसने वैश्विक मोटर वाहन उद्योग के लिए मानक स्थापित किए और एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण किया जिसने अनगिनत व्यवसायों को सशक्त बनाया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने महिलाओं के लिए लॉन्च किया

बालाघाट एजेंसी।। आईसीआईसीआई प्रू लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू विश नामक नया हेल्थ प्रोडक्ट लॉन्च किया है, जो विशेष रूप से महिलाओं के लिए बनाया गया है। यह जीवन बीमा उद्योग का पहला ऐसा प्रोडक्ट है। आईसीआईसीआई प्रू विश गंभीर बीमारियों, जैसे- स्तन, गर्भाशय, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और हृदय रोगों के निदान पर तुरंत 100प्रतिशत तक का कवरेज प्रदान करता है। इस पॉलिसी की एक खासियत यह है कि इसका प्रीमियम 30 साल तक एक समान रहता है, जिससे ग्राहकों को अपने खर्चों की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, ग्राहक को प्रीमियम हॉलिडे का विकल्प भी मिलता है, यानी वे किसी भी समय 12 महीने के लिए प्रीमियम भुगतान से छूट ले सकते हैं। इस प्रोडक्ट में ग्राहकों को मातृत्व से जुड़ी जटिलताओं और नवजात शिशुओं की जन्मजात बीमारियों से संबंधित कवर लेने का विकल्प भी मिलता है।

वक्रांगी लिमिटेड के बोर्ड ने 980 करोड़ रुपये तक के फंड रेज़ को मंजूरी दी

मुंबई, एजेंसी। वक्रांगी लिमिटेड (वीएल) (बीएसई- 511431, एनएसई), भारत के सबसे बड़े अंतिम मील वितरण प्लेटफार्मों में से एक है ने घोषणा की है कि इसके बोर्ड ने परिवर्तनीय वारंट के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर 980 करोड़ रुपये तक के फंड रेज़ को मंजूरी दी है, जो आवश्यक अनुमोदनों के अधीन है। प्रस्तावित आवंटियों में एफपीआई एमिनेंस ग्लोबल फंड पीसीसी और अन्य गैर-प्रोमोटर समूह जैसे नेक्सपैक्ट लिमिटेड, मल्टीट्यूड ग्रोथ फंड्स लिमिटेड आदि शामिल हैं। हाल ही में वक्रांगी ने केंद्र नेटवर्क के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए केनरा बैंक के साथ कॉर्पोरेट बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के रूप में एक समझौता किया है।

आशोक लीलेन्ड का एक्सचेन्ज महोत्सव

छिंदवाड़ा। सुनील आटोमोटिव द्वारा अशोक लीलन्ड का महाएक्सचेन्ज महोत्सव प्रारम्भ किया गया है। जिसमें पुरानी गाडी का अधिकतम मूल्य दिया जावेगा, कम कीमत में अशोक लीलन्ड के नये ब्रान्ड खरीद सकते है। स्पाट पर एक्सचेन्ज का लाभ साथ में एक लाख रूपए का फ्री एक्सीडेन्टल इंश्योरेन्स प्राप्त करें। सम्पर्क सुनील आटोमोटिव दुर्गामाता मंदिर के पास नागपुर रोड छिंदवाड़ा से सम्पर्क करें, **सुनील मोटोकार्य मो. 7880010909।**

नेमा अधिवक्ता परिवार की ओर से छात्रों को स्वेटर वितरित किए

अमरवाड़ा. ठंड के मौसम में नेमा अधिवक्ता परिवार की ओर से माध्यमिक शाला सिमरिया मुल्तानी के छात्र-छात्राओं को स्वेटर और शूज वितरित किए गए। राजेंद्र नेमा अधिवक्ता द्वारा बताया गया कि वरिष्ठ अधिवक्ता एस के नेमा, एडवोकेट मानस नेमा, सरपंच जय कुमार उइके ग्राम पटेल अशरफ भाई एडवोकेट राजेंद्र नेमा के कर कमलों से छात्रों के बीच उपस्थित होकर उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए के लिए मोटिवेशन और परामर्श दिया गया तथा साथ में उपहार स्वरूप स्वेटर और शूज भेंट किए गए। इस अवसर पर छात्रों ने अपनी जिज्ञासा के अनुरूप उपस्थित अतिथियों से कानून के क्षेत्र से जुड़े और विधि के क्षेत्र में आगे भविष्य बनाने से संबंधित प्रश्न भी पूछे जिनका जवाब मानस नेमा अधिवक्ता, राजेंद्र नेमा एडवोकेट दिया। इस अवसर पर शाला संस्था से प्रभारी शिक्षक सादिक खान, अतिथि शिक्षक पूनम चंद यादव यशवंत कहार, ग्राम सिमरिया मुल्तानी के सरपंच जय प्रसाद उइके, ग्राम पटेल अशरफ खान, अमर सिंह पवार ने भी बच्चों को प्रोत्साहन दिया।

रोचक मुकाबले में जीता सतपुड़ा सिंघम छिंदवाड़ा

अमरवाड़ा। स्वर्गीय श्रीमती निर्मला ठाकुर की स्मृति में आयोजित नव चेतना क्लब के तत्व धान में लेदर बॉल क्रिकेट स्पर्धा का सफलता भरा 38 व वर्ष और 38 वर्ष का आज दूसरा मुकाबले खेला गया टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था छिंदवाड़ा की टीम ने निर्धारित 20 ओवर पर 162 रन बनाए लक्ष्य रखा 163 रन का जिसका पीछा करने उतरी यूनिक परासिया 122 रन बनाकर अलाउड हो गई इस मुकाबले को जीता सिंघम छिंदवाड़ा ने 40 रनों से मैन ऑफ द मैच रहे शिवम पटेल जिन्होंने 27 बोलों पर 58 रनों की पारी खेली वहीं गेंदबाजी पर 3.3 ओवर में ओवर पर 20 रन खर्च करके चार विकेट अर्जित कियावहीं पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेम नारायण ठाकुर का जन्मदिन भी मनाया गया जहां बड़ी संख्या में लोगों ने शुभकामनाएं प्रेषित की(

सांसद ने दिलाई जरूरतमंद मरीज को आर्थिक मदद

छिंदवाड़ा सांसद बंटी विवेक की पहल पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। सांसद की पहल पर मुख्यमंत्री जी ने जरूरतमंद मरीज साहबराव फरकारे पिता सम्मा जी फरकारे निवासी राजेगांव छिंदवाड़ा को 30 हजार रुपए स्वेच्छानुदान मद से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। सांसद के प्रयासों से सहायता मिलने से गंभीर बीमारी से पीड़ित का प्राइवेट अस्पताल में इलाज हो सकेगा। आर्थिक सहायता मिलने पर परिजनों ने मुख्यमंत्री और सांसद का आभार व्यक्त किया है। परिजनों ने सांसद से मिलकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए मांग की थी।

छिंदवाड़ा में होगा अनूठा अनुष्ठान

छिंदवाड़ा। अष्ट लक्ष्मी गौ सेवा समिति छिंदवाड़ा के सदस्य कमलेश साहू ने बताया कि छिंदवाड़ा जिले में पहली बार राधा कृष्ण मंदिर चांद रोड बोरिया में परम पूज्यनीय आचार्य मृत्युंजय पीठाधीश वैकुंठम संस्कृत विद्या पीट बैंगलोर कर्नाटक डॉ. सुशील भार्गव जी के मुखारविंद से श्रीमद् दैवी महालक्ष्मी भगवत महापुराण का आयोजन दिनांक 29 दिसंबर 2024 दिन रविवार से 5 जनवरी 2025 दिन रविवार तक समय दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक शाम 7 बजे से रात्रि 9 बजे होने जा रहा है। इस अवसर पर समस्त नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की।

पदयात्री अलकेश जैन का हुआ अभिनंदन

छिंदवाड़ा। तीर्थंकर महावीर भगवान की सर्वोदय अहिंसा एवं विश्व शांति की मंगल भावना को लेकर परासिया के जिनशासन सेवक अलकेश जैन ने 30 दिनों में 850 किलो मीटर जैन तीर्थ महावीरजी की पदयात्रा पूर्ण की, इस पवित्र कार्य के लिए उनके अभिनंदन में सकल जैन समाज परासिया द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमे सभी जाती वर्ग सम्प्रदाय के प्रतिनिधियों ने अलकेश जैन का अभिनंदन कर उन्हें शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती रेणु जैन द्वारा मंगलाचरण कर किया गया तो श्रीमती रानी जैन ने उनकी पदयात्रा का संस्मरण सुनाकर उनका अभिनंदन किया और कहा कि पदयात्रा हमें संस्कारों में मिली है दिगंबर मुनियों ने हमें पद विहार सिखाया तो भगवान श्रीराम पथ गमन कर पुरुषोत्तम हो गए, भजन संध्या का सफल संचालन अभिषेक जैन मोनू भैया एवं आभार प्रदर्शन पिंकेश पटोरिया द्वारा किया गया।

30 को मिलेगा जिला भाजपा अध्यक्ष 98 नेताओं से ली गई रायशुमारी

जिलाध्यक्ष ऐसा चुनें जो पार्टी की रीति-नीति को जानने के साथ ही स्वच्छ छवि एवं कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चले: हेमंत खंडेलवाल

छिंदवाड़ा। भाजपा जिला कार्यालय में संगठन पर्व- 2024 अंतर्गत जिला अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी संपन्न हुई। जिला अध्यक्ष पद हेतु आयोजित रायशुमारी के लिए प्रदेश द्वारा नियुक्त जिला निर्वाचन अधिकारी हेमंत खंडेलवाल और क्लस्टर प्रभारी अलकेश आर्य छिंदवाड़ा पहुंचे। रायशुमारी से पूर्व अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हेमन्त खंडेलवाल और पर्यवेक्षक अलकेश आर्य ने कहा कि ऐसे व्यक्ति को जिलाध्यक्ष बनाएं, जो पार्टी की रीति-नीति को जानने के साथ ही स्वच्छ छवि एवं कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने वाला हो। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, महापौर विक्रम अहाके, पूर्व विधायक पं रमेश दुबे, चौधरी चंद्रभान सिंह, नत्थन शाह, ताराचंद बाबरिया, दीपक सक्सेना, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय झांझरी, जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी, परमजीत सिंह बिज, विजय पांडे सहित सभी अपेक्षित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

30 दिसंबर को होगी जिलाध्यक्ष की घोषणा

संगठन के निर्धारित नियम अनुसार जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा रायशुमारी हेतु सभी आपेक्षित पदाधिकारी से उनकी पसंद के नामों को लिखित में प्राप्त कर लिफाफे में बंद कर दिए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी इस बंद लिफाफे को प्रदेश संगठन को सौंपेंगे जिसके आधार पर 30 दिसम्बर को नए जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी।

इन लोगों से की गई रायशुमारी

प्रदेश भाजपा संगठन द्वारा जिला अध्यक्ष पद हेतु अपेक्षित श्रेणी सूची अनुसार रायशुमारी की गई जिसमें नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रतिनिधि, जीते-हारे विधायक व पूर्व विधायक, सांसद लोकसभा व राज्यसभा एवं पूर्व सांसद, संगठन संभाग प्रभारी व जिला प्रभारी, वर्तमान जिला अध्यक्ष व पूर्व जिला अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष तथा नगर पालिका अध्यक्ष व उपाध्यक्षों समेत कुल 98 भाजपा नेता व पदाधिकारी से अलग-अलग रायशुमारी की गई।

न्यायालय ने मारपीट के आरोपियों को सुनाई 4-4 वर्ष की सजा

छिन्दवाड़ा। सत्र न्यायाधीश छिंदवाड़ा सुशांत हुद्दार द्वारा एक सत्र प्रकरण में निर्णय पारित करते हुए , दो महिला आरोपी सहित आरोपी आयुष सारवान निवासी गुरैया रोड ,थाना देहात , छिन्दवाड़ा को 4–4 वर्ष के कारावास की सजा से दंडित किए जाने के आदेश पारित किए गए हैं। घटना इस प्रकार है कि दिनांक 19/10/2022 को रात करीब साढ़े आठ बजे प्रार्थी आहत श्रेया सिंह उर्फ मुस्कान पैदल अकेली अपने घर से बाजार जा रही थी तभी दोनो महिला आरोपी तथा आरोपी आयुष जो पूर्व से प्रार्थी के दोस्त थे, द्वारा प्रार्थी श्रेया का रास्ता रोका गया तथा पुरानी किसी बात को लेकर आरोपीगण द्वारा प्रार्थी को लात घूसों से मारा गया तथा एक महिला आरोपी द्वारा धारदार कटर से प्रार्थी को मारा गया जिससे प्रार्थी के चेहरे,गर्दन, माथे व पैर पर चोट आई तथा कटने के निशान बन गए।तीनों ने जाते जाते किसी को न बताने की धमकी प्रार्थी को दी गई। प्रार्थी की शिकायत पर आरोपीगण के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना पूर्ण की गई।विवेचना उपरांत चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के समक्ष अभियोजन साक्षियों के कथन दर्ज किए गए तथा विचारण पश्चात आरोपीगण को दोषी पाते हुए उन्हें चार चार साल के कारावास से दंडित किए जाने का निर्णय माननीय सत्र न्यायाधीश महोदय छिंदवाड़ा श्री सुशांत हुद्दार द्वारा पारित किया गया। राज्य की ओर से लोक अभियोजक अजय पालीवाल द्वारा पैरवी की गई।

बहुत हल्की वर्षा होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (28 दिसम्बर 2024 ङ्क 01 जनवरी 2025) मध्यम, हल्के से साफ बादल रहने एवं दिनांक 28.12.2024 से 29.12.2024 को तूफान, बिजली और तेज़ हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ ओलावृष्टि व बहुत हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 14-15 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है।

गौवंश तस्कर को सौंसर न्यायालय द्वारा हुआ 3 वर्ष का कठोर कारावास

छिन्दवाड़ा। न्यायालय सचिन जैन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सौंसर जिला- छिन्दवाडा द्वारा प्रकरण कमांक 425/2018 थाना लोधीखेडा के अपराध क्रमांक-157/2018 के आरोपी विष्णु पिता कारेसा धुर्वे, उम्र करीब 30 साल, निवासी खैरी चावलपानी तहसील तामिया जिला छिंदवाड़ा को दंडित करते हुए आरोपी विष्णु को म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा- 9 में 3 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5000/- रू का अर्थदंड एवं पशु क्रुता निवारण अधिनियम की धारा-11 में 50/-रू का अर्थदंड से दण्डित किया गया।

घटना विवरण- सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी सौंसर अखिल कुमारकुशराम ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 06/07/2018 को वाहन कमांक एम.पी.28 बी.डी. 1706 (बोलेरो गाडी) वाहन के चालक ने पुलिस को देखकर दो सौ मीटर पहले ही गाड़ी खड़ी की और आरोपी विष्णु गाड़ी से उतरकर भाग गया उक्त वाहन की चैकिंग के दौरान वाहन में (गाय उनग, बछिया 1 नग, बछडा 1 नग) 5 नग गौवंश को गाडी की सीटों को खोलकर गौवंशों क्रूरतापूर्वक भरकर, रस्सी से बांधकर बिना चारा-पानी का इंतजाम के परिवहन किया जा रहा था जिसे थाना लोधीखेडा की पुलिस द्वारा हमराह स्टॉफ के सहयोग से ग्राम घोटी में पुलिया के पास जाकर नाकाबंदी कर पकडा गया, उक्त घटना पर से आरोपी के विरूद्ध थाना लोधीखेडा में अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में विवेचना निरीक्षक के. के. अवस्थी द्वारा की गई एवं विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया विचारण के दौरान न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुये दंण्डित किया गया।प्रकरण में शासन की ओर से अखिल कुमार कुशराम सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी तहसील सौंसर जिला-पाढुर्णा के द्वारा पैरवी की गई।

आयुक्त ने ली राजस्व समीक्षा बैठक संपत्ति कर एवं जलकर कैंप लगाने के दिए निर्देश

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय ने निगम सभाकक्ष में राजस्व वसूली की समीक्षा की। आयुक्त ने जोनवाइस कर संग्रहण की समीक्षा की। जिसमें आयुक्त ने वार्ड में लगातार कैंप लगाने एवं बड़े बकायदारों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त ने संपत्ति कर जमा नहीं करने वाले भवनस्वामियों के कुर्की हेतु प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। कुर्की के साथ ही संपत्ति कर की राशि को संबंधित भवन के खसरे में दर्ज करने की कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए। जलकर वसूली की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने समय जलकर जमा नहीं करने वाले बकायदारों के विच्छेद किए नल कनेक्शन की जांच करने एवं जल आपूर्ति की जानकारी एकत्रित करने के निर्देश राजस्व निरीक्षकों को दिए। बैठक में संपत्ति कर के शत प्रतिशत बिल वितरण के निर्देश दिए। इसके उपरांत निगमायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अपूर्ण भवनों को पूर्ण कराने के निर्देश एजीस टीम को दिए। आयुक्त ने निर्माण से शेष भवनों की राशि शत प्रतिशत वसूल करने के निर्देश आवास शाखा को दिए। बैठक में राजस्व अधिकारी साजिद खान, राजस्व प्रभारी राजकुमार पवार, राजस्व निरीक्षक अमित सारवान, शेखर पटेल, धर्मेंद्र माहोरे, ऋषभ स्थापक, मनोज पवार एवं पवन सोनी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री द्वारा मनीष जैन को मिला अटल शिक्षा रत्न सम्मान

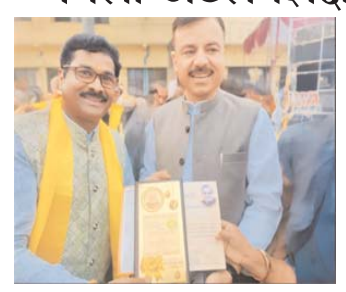

अमरवाड़ा। शिक्षक संदर्भ समूह मध्य प्रदेश के बैनर तले, भारत के दसवें प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के 100 वे जन्म दिवस (25 दिसंबर 2024 सुशासन दिवस) के पावन अवसर पर, बरेली जिला रायसेन मध्य प्रदेश में आयोजित, शताब्दी समारोह एवं शिक्षा महाकुंभ के विशाल कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के मंत्री, माननीय उदय प्रताप सिंह (परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग) नरेंद्र शिवाजी पटेल (राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा) हेमंत श्रीवास्तव (प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ) एवं डॉ दामोदर जैन (संस्थापक समन्वयक) शिक्षक संदर्भ समूह,आप सभी की विशेष उपस्थिति में लगभग 1000 शिक्षक शिक्षिकाओं का शिक्षा महाकुंभ कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षा, समाज, एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक, शिक्षिकाओं को, (अटल शिक्षा रत्न सम्मान 2024) से विभूषित किया गया, जिसमें अमरवाड़ा की शिक्षक मनीष कुमार जैन जो विकासखंड हर्रई जिला छिंदवाड़ा के हायर सेकेंडरी स्कूल हड़ाई में (माध्यमिक शिक्षक) के रूप में पदस्थ हैं आप एक बहुमुखी प्रतिभा के शिक्षक कवि एवं लेखक हैं,आप शिक्षा के साथ-साथ, सामाजिक, धार्मिक, एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी विशेष अभिरुचि रखते हैं, आपके द्वारा कभी सम्मेलन के मंचों के माध्यम से एवं आकाशवाणी केंद्र के माध्यम से, स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ अभियान, नशा मुक्ति अभियान, मतदाता जागरूकता अभियान, अंकुर अभियान, स्कूल चले हम अभियान, ऐसे अनेक अभियानों में आपके द्वारा रचित गीत, कविताओं, एवं लेख के माध्यम से, आम जनता को जागरूक किया गया, आपको इस कार्यक्रम में (शिक्षा मंत्री महोदय) उदय प्रताप सिंह के द्वारा, राष्ट्रीय अटल शिक्षा रत्न सम्मान 2024, विशेष अंग वस्त्र, एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश कलंबे एवं संकुल केंद्र के प्रभारी अमित कुमार जैन एवं सभी शिक्षक साथियों ने मनीष कुमार जैन को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

वार्षिक फन फीस्ट प्रोग्राम को जायकों व नृत्यप्रस्तुति ने देर रात तक शमा बाँधे रखा

परासिया। स्कूल हैप्पी किड्स,माइड वैली एवं किड्स जी स्कूल के द्वारा वार्षिक फन फीस्ट (स्टॉल) का प्रोग्राम उत्सव लॉन परासिया में रखा गया थाद्य जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार व्यंजनो क स्टॉल लगाकर चटपटे स्वाद का जायका दिया, तरह-तरह के खेल संबंधित दुकाने लगाई गई, नन्हें नन्हें बच्चों के द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया, वही वेस्टर्न एवं सांस्कृतिक दोनों थीम पर बड़े बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा झांकी स्वरूप नृत्य में तरह-तरह की प्रस्तुति दोपहर 4-00 बजे से लेकर रात्रि 8-00 बजे तक प्रस्तुत की गई द्यवहीं स्टॉल में विभिन्न विभिन्न प्रकार के स्नैक्स बनाकर स्वादिष्ट चटकारों से पूरा उत्सव लॉन सुगंधित हो उठा द्य इस पूरे कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त विद्यार्थी गण, शिक्षक गण एवं पालक गणों की अहम भूमिका रही, देर रात तक पालकों ने अपने बच्चों व परिवार के साथ जायकों का भरपूर आनंद उठाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में परासिया के लाडले विधायक सोहनलाल बाल्मिक पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे

जीएसटी पर सीपीई चैप्टर का सेमिनार...

सीए, कर अधिवक्ताओं और कर सलाहकारों ने लिया भाग

छिन्दवाड़ा। प्रत्येक कर सलाहकार को कर अधिनियम में वर्णित प्रावधानों को सूक्ष्मता से समझकर उसके अनुरूप अपने क्लाइंट यानि कि करदाताओं को सलाह देना होता है। साथ ही कर कानूनों में समय समय पर होने वाले बदलावों या संषोधनों से भी स्वयं को अपडेट रखना होता है। इनही बातों को ध्यान में रखते हुए छिंदवाड़ा सीपीई चैप्टर के द्वारा विगत दिवस वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) के प्रावधानों एवं संषोधनों पर आधारित एक फुलडे सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में छिंदवाड़ा सहित आसपास के जिलों के सीए, कर अधिवक्ताओं और कर सलाहकारों ने भाग लिया। इस सेमिनार में भोपाल से सीए नवनीत गर्ग मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जिन्होंने जीएसटी के वार्षिक रिटर्न 9 और 9 सी, धारा 128ए, एसपीएल फॉर्म, इनवॉइस मैनेजमेंट सिस्टम, धारा16(4) के प्रावधान के साथ ही विवाद से विष्वास स्कीम पर विस्तार से जान कारी दी।

परासिया में आध्यात्मिक जागरण शिक्षण प्रशिक्षण शिविर संपन्न

परासिया। अखिल भारतीय तारण तरण दिगम्बर जैन महिला परिषद के तत्वाधान में आध्यात्मिक जागरण शिक्षण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 25 से 27 दिसंबर तक धर्म नगरी परासिया में किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में जागरूकता सामाजिक सशक्तिकरण तथा धर्म के माध्यम से जीवन मे आमूलचूल परिवर्तन था। इन तीनों दिनों में बाल ब्रह्मचारिणी विन्द श्री दीदी आरती दीदी शास्त्री प्रमिला डॉ मनीषा अंजली नायक मीनाक्षी डॉ वंदना श्रीमती मनीषा श्रीमती निशा प्रमुख वक्ता थे जिन्होंने अपने वक्तव्य के माध्यम से प्रमुख विषयों पर अपनी बात रखी। जो सम्पूर्ण शिविर के संचालन में अखिल भारतीय तारण तारण दिगम्बर जैन महिला परिषद की महासचिव श्रीमती रोशनी जी सतना सचिव श्रीमती सुषमा छिंदवाड़ा एवं टीम सक्रिय रही। शिविर में अपनी सहभागिता व पुण्य लाभ लेने हेतु अखिल भारतीय स्तर पर महिलाएं उपसिस्थ रही द्य

पूर्व नपा अध्यक्ष स्व.कन्हैयाराम रघुवंशी की तेरहवीं पर अशोक के पौधे भेंट किया

छिंदवाड़ा। सतपुडा जनजागृति एवं विकास समिति छिंदवाड़ा द्वारा जिले के महामानव जो भारतीय जनता पार्टी के लगभग 20 वर्ष तक अध्यक्ष रहे किसान संघ के अध्यक्ष रहे इसके साथ ही नगर पालिका के 10 वर्ष से अध्यक्ष भी रहे हैं इन्होंने उनका सपना था ग्रीन छिंदवाड़ा क्लीन छिंदवाड़ा उन्होंने उनके ही कार्यकाल में उन्होंने नगर पालिका को नगर निगम बनवाया ऐसे मा मानव की आज अंतिम शांति तेरहवीं थी उसे पंडित उनके सज्जनों को जाकर सदस्यों ने उनकी स्मृति सदा यादगार रखने के लिए अशोक के पौधे भेंट उनसे कहा उनके पुत्र को अपने पिताजी की यादगार में आप इन अशोक के पौधों को लगे और इनका संरक्षण करें और यह समझने के लिए मेरे पिताजी की जितना बड़ा पौधा होगा उसके ही पिताजी की याद रहेगी इस उपलक्ष में पौधा लगाया गया और हम सब सतपुडा जनजागृति के लोग ईश्वर से प्रार्थना करते हैं से महामानव को अपने चरणों में उनका स्थान में मिले जय हिंद जय। बड़े सुपुत्र राकेश रघुवंशी एवं छोटे पुत्र को एवं स्वजनों को इस अवसर पर वृक्ष मित्र रविंद्र सिंह जैव विविधता दूत मोहन साहू एवं संरक्षक एवं संचालक महेंद्र यादव एवं उनकी धर्मपत्नी कुंती यादव , बसंत दुबे ने भेंट पौधा उनकी याद में ग्रीन छिंदवाड़ा क्लीन छिंदवाड़ा का संदेश को दोहराया।

नो पार्किंग में खड़े वाहनों की आई शामत

छिंदवाड़ा /उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशानुसार एंव दुर्घटनाओ की रोकथाम हेतु यातायात नियमो के उल्लघंनकर्ता वाहन चालको के विरूद्द हेल्मेट एंव सीट बेल्ट आदि शीर्ष में प्रभावी कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डे के मार्ग दर्शन, दिशा निर्देश के क्रम में उप पुलिस अधीक्षक रामेश्वर चौबे यातायात छिंदवाड़ा के नेतृत्व में रक्षित निरीक्षक राकेश तिवारी थाना प्रभारी थाना यातायात छिन्दवाडा द्वारा आज पुलिस ने शहर के विभिन्न चौराहों पर विशेष यातायात जाँच अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यातायात के नियमो के पालन को सुनिश्चित करना और सडक सुरक्षा को बढावा देना था। इस अभियान मे थानो एवं यातायात व्दारा कार्यवाही कर संयुक्त रुप से निम्नलिखित कार्यवाही की गई हेलमेट न पहनने वाले दोपहिया वाहन चालको के खिलाफ प्रकरण 44 समन शुल्क 13,200 रुपये, वाहन चालकों व्दारा सीटबेल्ट न पहनने पर 11 चालको के विरूध्द समन शुल्क राशि 5500/- रूपये वाहन पर काली फिल्म लगाकर वाहन चलाने के खिलाफ 02 प्रकरण समन शुल्क 1000 रूपये वाहन चालक व्दारा वाहन के दस्तावेज पेश न करना 02 प्रकरण 1000 रूपये, दोपहिया वाहन मे तीन सवारी बैठना प्रकरण 02 पर 1000 रूपये, वाहन चालक व्दारा रेड लाईट जंप करना प्रकरण 02 पर 1000 रूपये समन शुल्क, नोपार्किंग पर वाहन खडा करना प्रकरण 03 पर 1500 रूपये समन शुल्क, सांवलेसंर व्दारा ध्वनि प्रदूषण फैलाना प्रकरण 01 पर 1000 रूपये समन शुल्क की राशि वसूल की गई।

दमुआ में शराब माफिया द्वारा बड़े खेल को अंजाम

दारू माफिया द्वारा दमुआ पुलिस से ये कैसी आँख मिचोली

दमुआ। वार्ड न 17 से अवैध शराब पकड़ाने की खबर है वही यह मामला 4 पेटी या 8 पेटी के फेर मै उलछ गया है अब सवाल खड़ा होता है यदि पुलिस ने जिस वार्ड 17 के जिस मकान से शराब जप्त की तो उसी घर के ठीक पीछे तुरंत मे फेकी 4 से 5 पेटी दारू तारोंताज़ रूप से फ़ेंकी बिखरी दिख रही है। यदि 8 पेटी जप्ती बनती है तो शराब तस्करो पर 34/2 का मामला बनता है लेकिन 4 पेटी की जप्ती मै शराब माफियाओ की बल्ले बल्ले हो जाएगी ! पुलिस कार्यवाही के समय शराब फेकी गई है फिकवाई गई है यह गंभीर मामला है जो सही जांच के बाद द्धद्ध पता चलेगा किन्तु शराब छापा मारी जन चर्चा का विषय बन गया है ! वही चर्चा है की चार कमरे के मकान में आरोपी की तलाशी देने मे 1 घंटा 30 मिनट का समय क्यों लगा ऐसा ग्रामवासियो मे कन्फूसीया चल रही है !

पशु औषधालय चौपना, छिंदी, चिमटीपुर व रातेड़ का आकस्मिक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. एच.जी.एस. पक्षवार द्वारा गत दिवस विकासखण्ड तामिया की दूरस्थ संस्था पशु औषधालय चौपना, छिंदी, चिमटीपुर एवं रातेड़ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम उप संचालक डॉ.पक्षवार द्वारा पशु औषधालय चौपना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय ग्राम के दो पशुपालकों को औषधियां प्रदान की गई। इसके बाद उनके द्वारा पशु औषधालय छिंदी का निरीक्षण किया गया, जहां संस्था प्रभारी को संस्था का नाम स्पष्ट रूप से लिखवाने के निर्देश दिये गये। इसके पश्चात पशु औषधालय चिमटीपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केम्पस में स्थित 50 सीटर आदिवासी छात्रावास के छात्रों से उनके भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली गई। छात्रों ने बताया कि छात्रावास में उन्हें प्रतिदिन अच्छा और पोषक भोजन दिया जाता है। तत्पश्चात पशु औषधालय रातेड़ का निरीक्षण किया गया। पशु औषधालय रातेड़ में साफ-सफाई की कमी पाये जाने पर उप संचालक डॉ.पक्षवार एवं स्टाफ द्वारा स्वयं संस्था की सफाई की गई। निरीक्षण के दौरान संस्था प्रभारी को समस्त संस्थाओं में साफ-सफाई एवं निर्धारित दिनों में कार्य संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान उप संचालक डॉ.पक्षवार के साथ विकासखण्ड तामिया की प्रभारी पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी डॉ.सुजाता मेरावी, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी डॉ.विवेक कोटिया एवं श्री सुनील सोनकेशरिया उपस्थित थे।

भोपाल में तेज बारिश के साथ ओले गिरे

नए साल में ठंड मचाएगी तांडव

जबलपुर-रीवा-रायसेन में सैकड़ों बोरी धान-गेहूं भीगा; रातभर तिरपाल पकड़कर बैठे रहे किसान

भोपाल। प्रदेश में ओले-बारिश का दौर शुरू हो गया है। शनिवार को भोपाल में बारिश के साथ ओले भी गिरे। शुक्रवार को रतलाम, मंदसौर, बैतूल, आलीराजपुर समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। शनिवार को भी ऐसा ही मौसम है।

बारिश की वजह से रायसेन के दशहरा मैदान में ट्रैक्टर ट्रॉलियों में धान लेकर आए किसान परेशान रहे। रात भर किसान तिरपाल पकड़कर बैठे रहे, ताकि धान को खराब होने से बचा सकें। वहीं, रीवा के करहिया और जबलपुर में भी सैकड़ों बोरी धान-गेहूं बारिश में भीग गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में प्रदेश के कई जिलों में मौसम बदलने की संभावना जताई है। कटनी,पचमढ़ी, हरदा, सागर, खजुराहो, पन्ना, जबलपुर में आकाशीय बिजली चमकने के साथ ओले गिरने और 50 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट है। साथ ही उत्तरी बैतूल में बारिश की संभावना है।

भोपाल, रायसेन के भीमबेटका, दमोह, रीवा, मऊगंज, चित्रकूट, मैहर, बैतूल, सीहोर, विदिशा, सांची, ओंकारेश्वर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, भिंड, सीधी, सिंगरौली, बांधवगढ़, शहडोल और अनूपपुर में भी मौसम बदला रहेगा। यहां भी बारिश हो सकती है।

अगले 3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

आज उमरिया, डिंडौरी, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल और पांढुर्णा में ओले-बारिश का दौर बना रहेगा। यहां 30 से 40 चद्व प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। वहीं, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, मंदसौर, नीमच, दतिया, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, नरसिंहपुर, पन्ना, दमोह और निवाड़ी में हल्की बारिश, बादल और तेज हवा चलने का अलर्ट है। 29 दिसंबर को भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में हल्का से मध्यम कोहरा छाया रहेगा। 30 दिसंबर को भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में कोहरा छाया रहेगा।

31 दिसंबर से बढ़ेगी ठंड: सिस्टम के गुजरने के बाद प्रदेश में कोहरे और ठंड का असर बढ़ जाएगा। यानी, नए साल पर लोगों को कड़ाके की ठंड के दौर से गुजरना पड़ सकता है। इसके बाद पूरे एक महीने तक कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान है।

मैहर: बारिश में भीगी खुले में रखी लाखों क्विंटल धान

मैहर और सतना में बेमौसम बारिश की वजह से खरीदी केंद्रों के बाहर रखी लाखों क्विंटल धान भीग गई है। यह हाल खुले में खरीदी केंद्रों भर का नहीं है बल्कि गोदामों में जो खरीदी केंद्र है वहां भी बाहर रखी धान भीग कर खराब हो चुकी है।

धान भींगने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें आना स्वाभाविक है। अभी तक किसानों को उनकी उपज का दाम भी नहीं मिला है और ऊपर से बारिश ने जिले में लाखों क्विंटल धान को अपनी चपेट में ले लिया है। मैहर और सतना जिले में कमोबेश यही स्थिति हर खरीदी केंद्र पर देखी जा सकती है। मौसम विभाग की लगातार बारिश होने की चेतावनी के बावजूद भी खरीदी केंद्र के संचालक धान को भीगने से बचाने की कोई माकूल व्यवस्था नहीं कर पाए। न तो धान का समय पर उठाव हो पाया और न ही पन्नी या तिरपाल की व्यवस्था ही की गई। जिम्मेदार हर साल की तरह इस साल भी मूक दर्शक ही बने रहे।

केंद्रों पर रखा धान भीगा तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें

भोपाल। बेमौसम बारिश की आशंका को देखते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को धान खरीदी की समीक्षा करते हुए खरीदी केंद्र पर खुले में रखे सभी धान का जल्द से जल्द परिवहन कराकर जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों और गोदामों में रखवाने के निर्देश दिए हैं।

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अधिकारियों की मुख्यमंत्री से मुलाकात, डीपीसी का अनुरोध

भोपाल। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ की नई कार्यकारिणी के सदस्यों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की और राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक कराने का निवेदन किया। अधिकारियों ने कहा कि डीपीसी जल्द करा दें। कहीं यह साल खराब न हो जाए। वहीं कैडर रिव्यू करने का निवेदन भी किया। मुख्यमंत्री ने मांगों पर जल्द निर्णय लेने का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने कई लंबित मांगों पर चर्चा की।

इस मौके पर राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, महासचिव टीना यादव, पूर्व महासचिव किरण गुप्ता अपर कलेक्टर, लता शरणागत अपर कलेक्टर, कमल सिंह सोलंकी अपर कलेक्टर, मुकुल गुप्ता अपर कलेक्टर, प्रकाश नायक एडीएम भोपाल सहित राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अन्य सदस्य, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव राजेश राजोरा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

श्रीराम तिवारी बने सीएम के संस्कृति सलाहकार, विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक के साथ अतिरिक्त प्रभार

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव और महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संस्कृति सलाहकार बनाया है। सामान्य प्रशासन विभाग के कार्मिक सचिव के नाम से जारी आदेश के अनुसार श्रीराम तिवारी वर्तमान कार्य के साथ-साथ मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार का प्रभार अतिरिक्त रूप से सौंपा गया है।

तिवारी ने साहित्य, भारतीय प्राच्यविद्या, कला, सिनेमा और स्वराज पर आधारित 100 से अधिक पुस्तकों का संपादन और प्रकाशन किया है। कलाकारों व युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने वाले मार्गदर्शक भी रहे हैं। तिवारी ने छत्तीसगढ़ सरकार में भी संस्कृति, पुरातत्व व पर्यटन सलाहकार के रूप में कार्य और भारतीय कालगणना की प्राचीनतम पद्धति पर आधारित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की स्थापना भी करवाई है।

सोयाबीन खरीदी में नहीं दिखाया किसानों ने उत्साह, लक्ष्य से आधी खरीदी

भोपाल। प्रदेश में पहली बार एमएसपी पर हो रही सोयाबीन की सरकारी खरीदी में किसानों ने वैसा उत्साह नहीं दिखाया, जैसा सरकार को अनुमान था। केंद्र सरकार ने मप्र के लिए एमएसपी पर सोयाबीन खरीदी के लिए 13 लाख मीट्रिक टन का कोटा तय किया था।

25 अक्टूबर से प्रदेश में सोयाबीन खरीदी की जा रही है, जो 31 दिसंबर तक चलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को सीएम हाउस स्थित समत्व कार्यालय में प्रदेश में सोयाबीन खरीदी की समीक्षा की, जिसमें सामने आया कि 25 अक्टूबर से 26 दिसंबर तक की स्थिति में 2 लाख 4 हजार किसानों ने एमएसपी पर सरकार को सोयाबीन बेचा है।

इन किसानों से सरकार ने अब तक कुल 5.89 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन ही खरीदा गया है। कृषि व सहकारिता विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि 31 दिसम्बर तक प्रदेश में खरीदी 6 लाख मीट्रिक टन से ऊपर नहीं पहुंचेगी। किसान लगातार पर सोयाबीन खरीदने की मांग कर रहे थे, इसके बाद सरकार ने घोषणा की थी कि लक्ष्य से ज्यादा सोयाबीन आता है तो सरकार अपने संसाधनों से खरीदी करेगी।

भोपाल के प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर पूर्व विधायक पीसी शर्मा, महामंत्री राजीव सिंह सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें नमन किया।

तस्करों ने नारकोटिक्स अफसर को गोली मारी, टोल पर बोलेरो को इनोवा से ठोंका

नीमच। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की नीमच टीम ने फिल्मी अंदाज में डोडाचूरा से भरी इनोवा कार जब्त की है। इस दौरान एक आरोपी फायरिंग करते हुए भाग निकला। गोलीबारी में एक अफसर घायल हुआ है। वाहन की टक्कर से दो कर्मचारी भी घायल हुए हैं। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामला राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंगलवाड़ के पास नारायणपुरा टोल प्लाजा का है। कार्रवाई शुक्रवार तड़के करीब 4.30 बजे की है। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। सीबीएन की टीम ने इनोवा कार से 345 किलो से ज्यादा डोडाचूरा जब्त किया है। बताया जा रहा है कि डोडाचूरा उदयपुर ले जाया जा रहा था।

बता दें, एक महीने के अंदर नारकोटिक्स की टीम पर डोडाचूरा तस्करों ने दूसरी बार हमला किया है। इससे पहले चित्तौड़गढ़-बारां हाईवे पर कोटा हैंगिग ब्रिज (राजस्थान) के पास तस्करों ने पिकअप वाहन से जावरा सेल की टीम की गाड़ी को टक्कर मारी थी।

टोल प्लाजा पर मौजूद लोग भी डर गए- पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें इनोवा तेजी से बोलेरो को टक्कर मारती दिख रही है। ये देखकर टोल प्लाजा पर मौजूद कर्मचारी भी डर गए। वहां अफरा-तफरी मच गई। तलाशी के दौरान कार में से 17 बोरों में भरा 345.940 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया है। कार को भी जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है।

इनोवा कार से ले जाई जा रही थी खेप

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की नीमच टीम को सूचना मिली थी कि चित्तौड़गढ़-उदयपुर हाईवे से मादक पदार्थ की खेप इनोवा कार से ले जाई जा रही है। इस पर टीम ने टोल बैरियर पर नाकेबंदी कर दी। जैसे ही संदिग्ध वाहन टोल प्लाजा पर पहुंचा, वहां पहले से तैनात अफसरों ने सामने ही बोलेरो लगा दी। इस पर तस्कर रुके नहीं, ड्राइवर ने सीबीएन के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। इस दौरान एक आरोपी चलती कार से कूदकर भाग गया, जबकि ड्राइवर कार रुकने के बाद फायरिंग करने हुए भागने लगा। ड्राइवर को टीम ने दबोच लिया।

इंदौर-भोपाल रोड पर तेज रफ्तार ट्राले की टक्कर से बाइक सवार चचेरे भाइयों की मौत

सीहोर। इंदौर-भोपाल रोड पर अंधी रफ्तार से दौड़ रहे वाहनों की चपेट में आने से आए दिन हादसे हो रहे हैं। शनिवार को भी जब कोठरी के चचेरे भाई बाइक से जा रहे थे, तो ट्राले की चपेट में आने से दोनो की मौके पर मौत हो गई। मौके पर पहुंची अमलाहा चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर दोनों युवकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा है। ट्राले को डोडी चौकी पर खड़ा कराया है।

जानकारी के अनुसार अमलाहा चौकी के तहत आने वाले ग्राम कोठरी में सुबह 11.30 बजे भोपाल से इंदौर की तरफ जा रही ट्राले ने आगे चल रहे बाइक सवार चचेरे भाई अजय वर्मा पिता घासीराम 22 वर्ष व विनय वर्मा पिता ज्ञानचंद 24 वर्ष निवासी कोठरी को रौंद दिया।

इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। युवकों के ऊपर से निकले ट्राले के कारण सड़क पर चारों तरफ खून फैल गया। घटना स्थल पर बड़ी संख्या पर लोगों की भीड़ लग गई, वहीं सूचना मिलने पर अमलाहा चौकी से पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मालूम हो कि आए दिन इंदौर-भोपाल हाईवे स्थित कोठरी के ब्रिज पर तकनीकि गड़बड़ी के कारण हादसे होते रहते हैं। यह हादसा ब्रिज के पास हुआ। जब दोनों युवक डिवाइडर के पास से बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे, तभी पीछे से आए ट्राले ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। दोनों युवकों के ऊपर से निकले ट्राले के कारण सड़क पर खून ही खून नजर आ रहा था, जिसे फायर ब्रिगेड की मदद से हटाया गया।

महापौर मालती राय एवं उनके भतीजे विधायक सुरेन्द्र पटवा ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. पटवा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

एमपी बोर्ड के 11वीं के विद्यार्थी कठिन लगने वाले विषय को 12वीं में नहीं बदल सकते

भोपाल। मध्य प्रदेश बोर्ड 12वीं के विद्यार्थी 31 दिसंबर तक त्रुटि सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने विद्यार्थियों पर प्रति विषय त्रुटि सुधार के लिए 500 रुपये का अर्थदंड लगाया है। माशिमं ने इसके दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

इसमें निर्देशित किया गया है कि विद्यार्थी ने जो विषय 11वीं में लिया है, उसी विषय को 12वीं में लेगा। अगर किसी विद्यार्थी को 11वीं में कोई विषय कठिन लगता है तो भी वह 12वीं में नहीं बदल सकता है। अगर 12वीं के परीक्षा फार्म में स्कूल की ओर से गलती से विषय बदल गया हो तो ही त्रुटि सुधार शुल्क जमा कर किया जाएगा।

मंडल ने पूरी तरह से लगाई रोक- हालांकि, तीन साल पहले तक माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 12वीं में संकाय बदलने की सुविधा दी जाती थी। पिछले साल भी कुछ विशेष प्रकरणों में विषय बदलने की सुविधा दी गई, लेकिन अब मंडल ने पूरी तरह से इस पर रोक लगा दी है। इस बार भी मंडल ने 12वीं में सिर्फ त्रुटि सुधार की सुविधा दी है। हालांकि कई विद्यार्थियों ने स्कूल प्राचार्य व मंडल में इसकी शिकायत की है कि माशिमं विद्यार्थियों को विषय परिवर्तन का अवसर दे, लेकिन माशिमं ने सिर्फ त्रुटि सुधार परिवर्तन का ही अवसर दिया है।

ऑनलाइन रहेगी त्रुटि सुधार की व्यवस्था- माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी दिशा-निर्देश में बताया गया कि शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के लिए संस्था द्वारा ऑनलाइन प्रविष्टि में विषयों में की गई त्रुटि के सुधार की सुविधा 31 दिसंबर तक प्रदान की गई है। इसे 500 रुपये प्रति विषय अर्थदंड के साथ विषयों में त्रुटि सुधार कर सकते हैं।